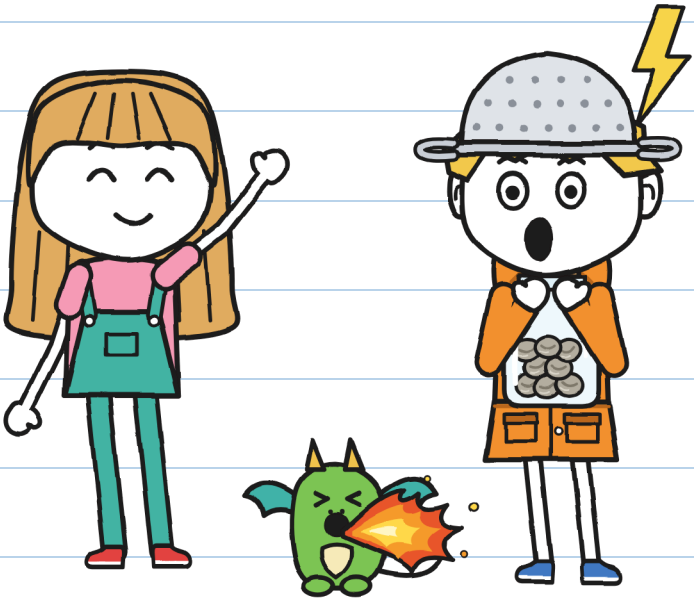
नामुमकिन डिलीवरी · 2

बादल गरजने से पहले न खोलें

Lui Eriksson



(गुनी की)

साइज़ XS
पहली बार पढ़ना · 5+

नामुमकिन डिलीवरी · 2
बादल गरजने से पहले न खोलें

लेखन और चित्र: Lui Eriksson

साइज़ XS · *पहली बार पढ़ना* · 5+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 Lui Eriksson · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की दूसरी किताब। पहली: "यह पार्सल काटता है"।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

किसी गरज को चोट नहीं पहुँची। –ज.



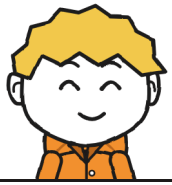
किसी और की नहीं। –ज.

अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो बादल गरजने से पहले मत खोलना।

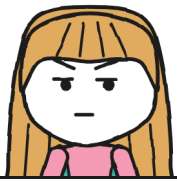
सिर्फ़ कहानी में

सिर्फ़ कहानियों में। तुम नहीं। –ज.

कौन कौन है



गुनी, तूफ़ान का शिकारी।



जूलिता हरे रंग से लिखती है।



चूरा, ड्रैगन की बच्ची।



टोन्यो, "बिजली" का डिलीवरी बॉय।



फ़्लोरा, बाग़बान।



वेरा ड्रैगनों की देखभाल करती हैं।



मारा, जादूगरनी।



R. की तरफ़ से पार्सल भेजे जाते हैं।

डिलीवरी डायरी 2
गुनी की

ऑफ़िशियल।

"ऑफ़िशियल": इसे पहले मैं पढ़ूँगी। –ज.



डायरी नंबर 1 ख़त्म हो गई। मारा ने मुझे यह नई दी। वे कहती हैं कि इसमें चित्र नहीं बनाते।

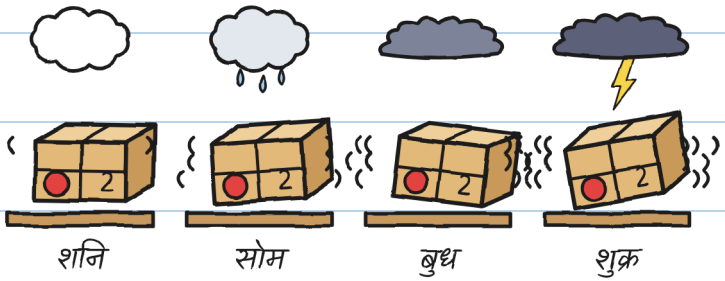
अध्याय 1

तूफ़ान का शिकारी

मारा की दुकान में एक पार्सल काँप रहा है।
मैं इसे हाथ नहीं लगाऊँगा।
चूरा, ड्रैगन की बच्ची, मेरी नक़ल उतारती है।

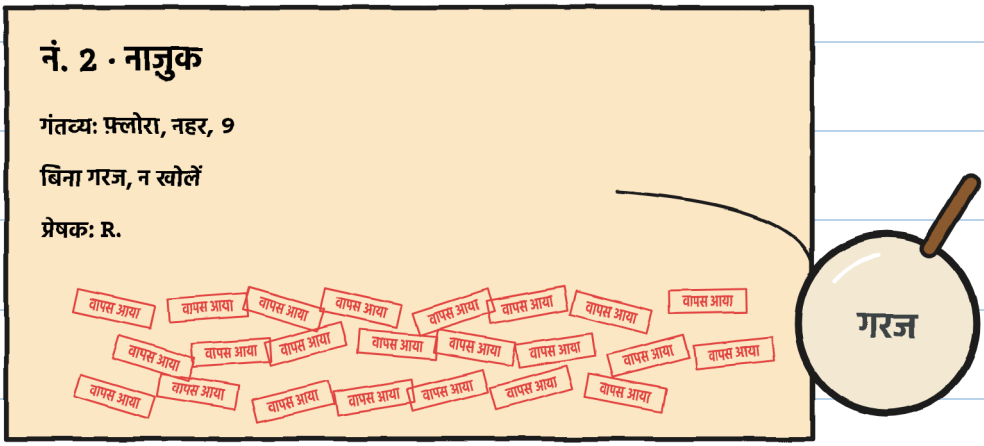
उन्नीस वापस आए पार्सल बाक़ी हैं।

थरथर-मीटर
नं. 2 का



शनिवार को तूफ़ान आएगा। –ज.

जो वापस आया पार्सल पाए,
उसे दस्तख़त करने होते हैं। वरना
वह सुबह होते ही लौट जाता है।



नं. 2 पर तेईस मुहरें लगी थीं।

मैंने दो बार गिना। —ज.

“मैं इसे तेईस बार ले गई,” मारा ने
कहा। “तूफ़ान में एक बार भी नहीं।”

मारा नं. 2 के साथ हमारा इंतज़ार
कर रही थीं। टोन्यो वहाँ था।
“यह तुम लोग पहुँचाओगे,”
मारा ने कहा। “आज शाम को।”



जूलिता बहुत ऊँची उछली।

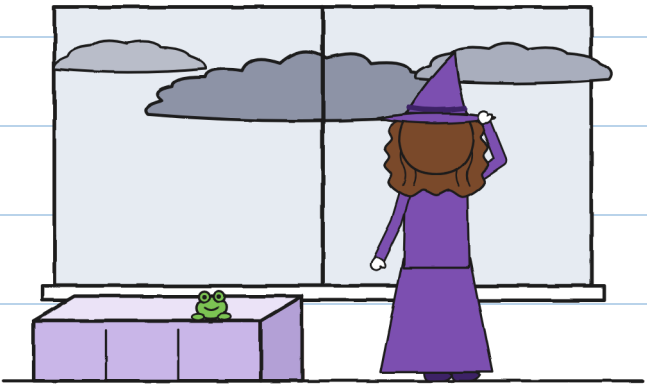
मारा ने तीन शर्तें रखीं।

1. निकलना: पाँच बजे।
2. घर वालों को बता दिया है।
3. गरज होने पर ही खोलना।

"और आप नहीं आ रहीं?" जूलिता ने पूछा।

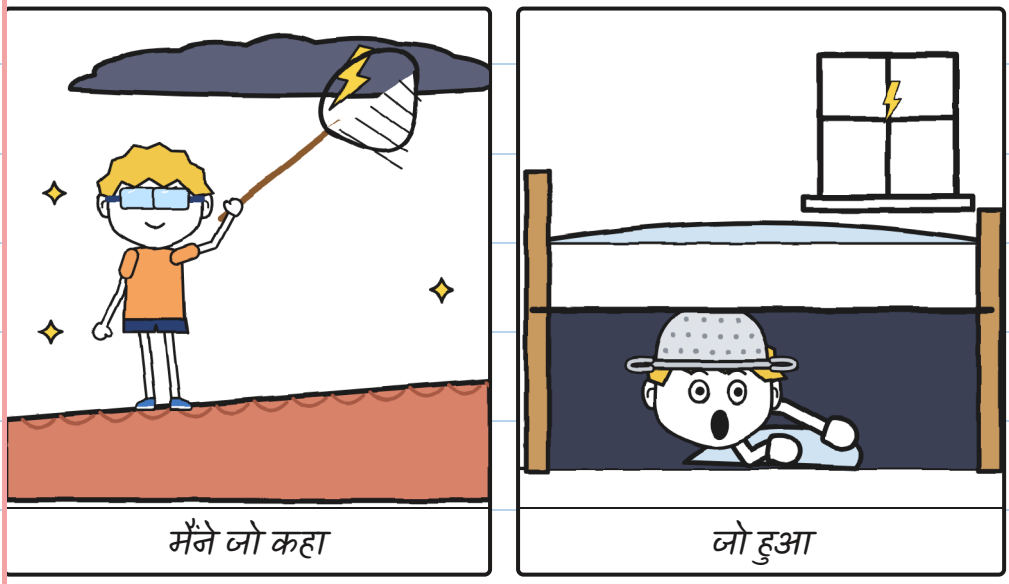
"मुझे कुछ काम हैं," मारा ने कहा।

और उन्होंने स्लेटी आसमान को देखा।



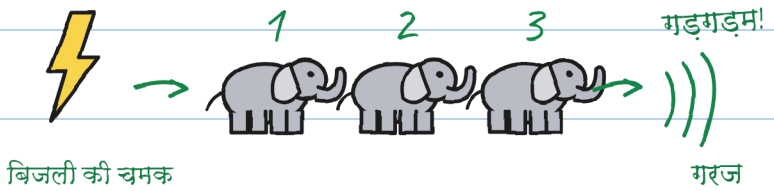
कौन-से काम? –ज.

जूलिता ने मुझे देखा।
"तुम्हें तूफ़ान पसंद हैं?"
और मैंने वही कहा जो सब कहते हैं:
"बहुत पसंद हैं। अपने दूसरे मोहल्ले
में मैं तूफ़ान का शिकारी था।"



पलंग के नीचे का शिकारी। –ज.

जूलिता ने मुझे तूफ़ान गिनना सिखाया।



एक हाथी, दो हाथी...

1 हाथी = 1 सेकंड

3 हाथी = 1 किलोमीटर

0 हाथी = ठीक ऊपर!

↖ यह गरज पार्सल खोलती है।
दूर वाली नहीं।

ज़्यादा हाथी, ज़्यादा दूर।

गरज: अंदर!

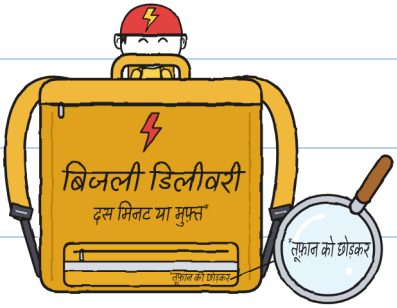
पता हो तो कम डर लगता है। –ज.

मुझे इसकी ज़रूरत नहीं थी। पर मैंने लिख लिया।

टोन्यो ने छोटे अक्षर पढ़े।

“‘बिजली’ तूफ़ान में डिलीवरी नहीं करती।”

“अभी नहीं है,” जूलिता ने कहा।



और वह भी आ गया।

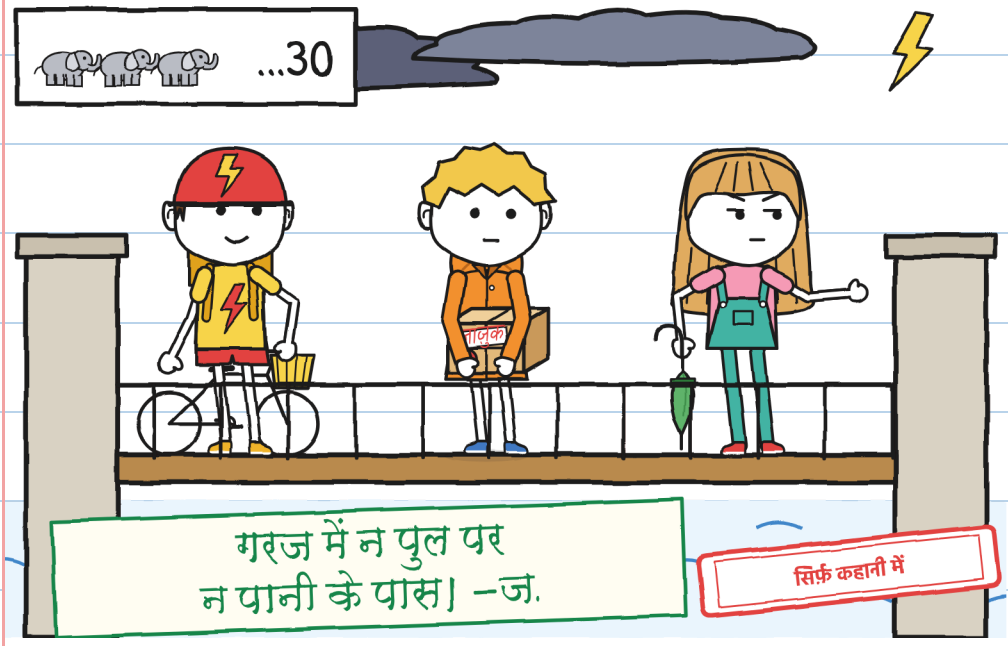
पाँच बजे मैं घर गया।

“तुम तो जब बादल गरजते हैं...” मम्मी ने कहा।

“बाय, मम्मी!”

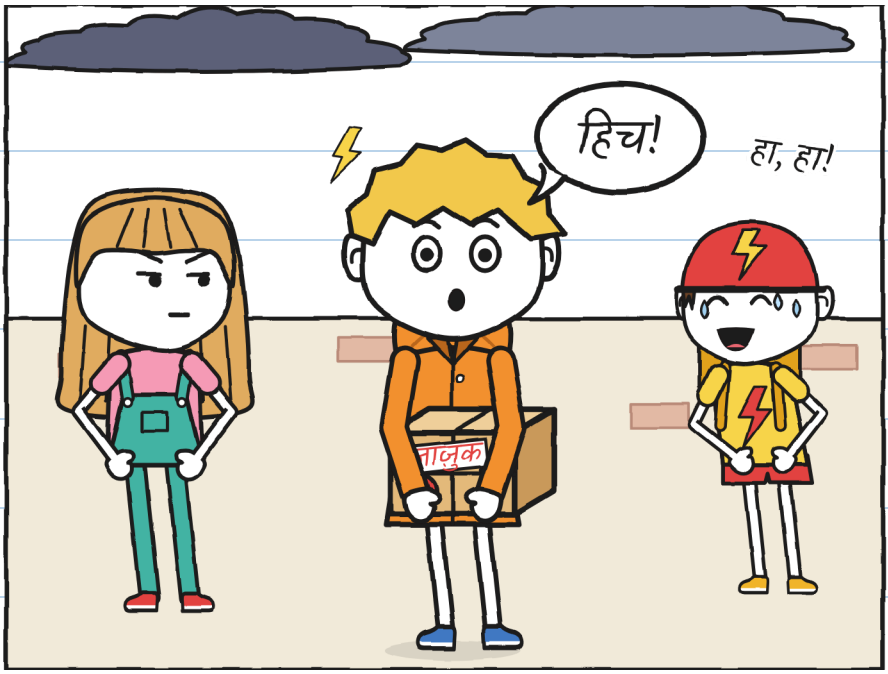
क्या? –ज.

हमने बड़ा पुल पार किया। जूलिता
ने बहुत गंभीर चेहरा बनाकर
पानी की ओर हाथ हिलाया।



जूलिता ने तीस हाथी गिने। गड़गड़म।
“अब खोलें?” टोन्यो बोला।

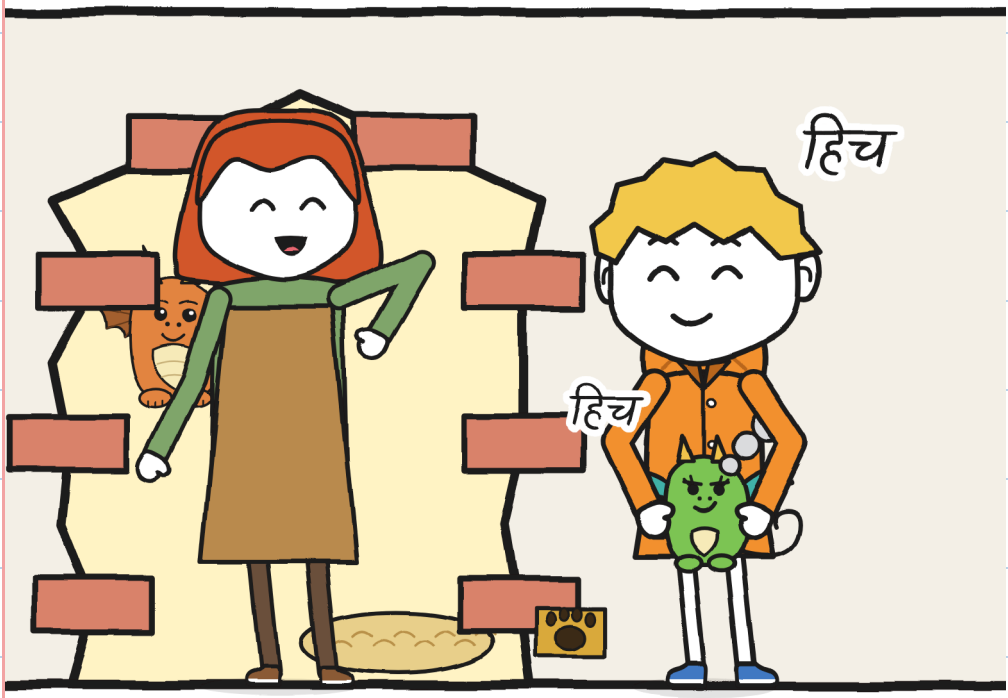
“यह गरज पार्सल नहीं खोलती,”
जूलिता ने कहा। “अंदर चलो!”



हर गरज पर मुझे हिचकी
आती है। यह डर नहीं है।

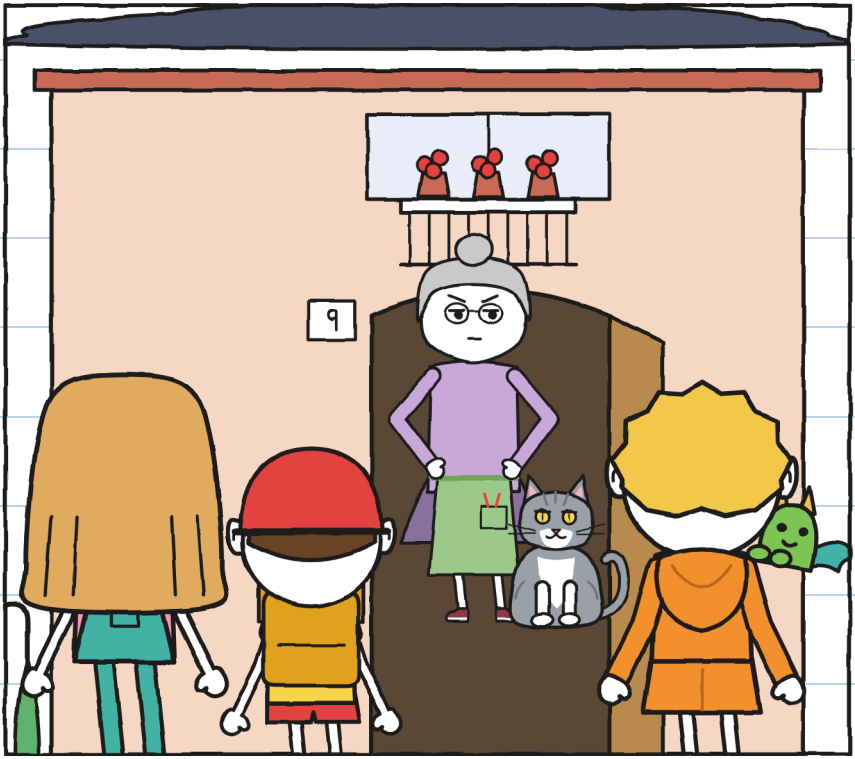
इसे डर कहते हैं। –ज.

वेरा चूरा को लिए हमारा इंतज़ार कर रही थीं।
“यह तुम्हारी हर बात की नक़ल
उतारती है, गुनी,” उन्होंने कहा।



बादल गरजा। मैंने हिच किया, और चूरा ने भी।
“अंदर चलो, अभी!” वेरा ने कहा।

फ़्लोरा का घर वही है जिसकी
बालकनी में गमलों के फूल हैं।



फ़्लोरा ने दरवाज़ा खोला।
"आ जाओ," उन्होंने कहा। "मैं
पत्थरों पर दस्तख़त नहीं करती।"

अध्याय 2

गरज!

फ़्लोरा की रसोई पौधों से भरी है।

टोन्यो ने साइकिल अंदर रख दी।

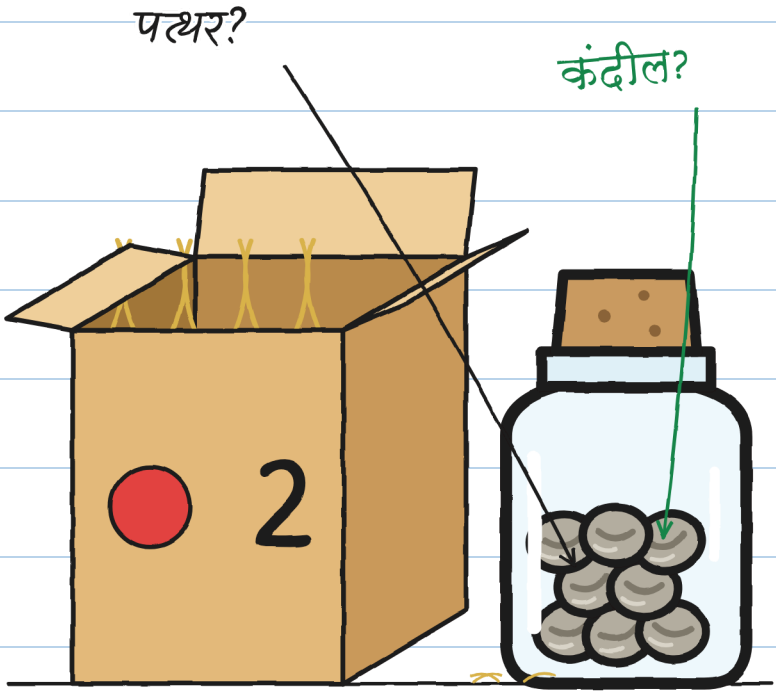


काँच पर पेंट की हुई बूँदें थीं।

“ये R. के शीशे हैं,” फ़्लोरा ने कहा।

“ये बारिश को अंदर आने देते हैं।”

फ़्लोरा ने डिब्बा खोला। अंदर
आठ छोटी स्लेटी गोलियाँ थीं।
"R. ने कंदील का वादा किया था, और
पत्थर ही आते हैं," फ़्लोरा ने कहा।



"कंदील क्या होता है?" मैंने पूछा।

फ़्लोरा ने हमें नहर की
एक पुरानी फ़ोटो दिखाई।



"ये बिजली की चमक की रोशनी वाले पौधे हैं," फ़्लोरा ने कहा। R. का आना बंद हो गया। इसीलिए नहर अँधेरी है।

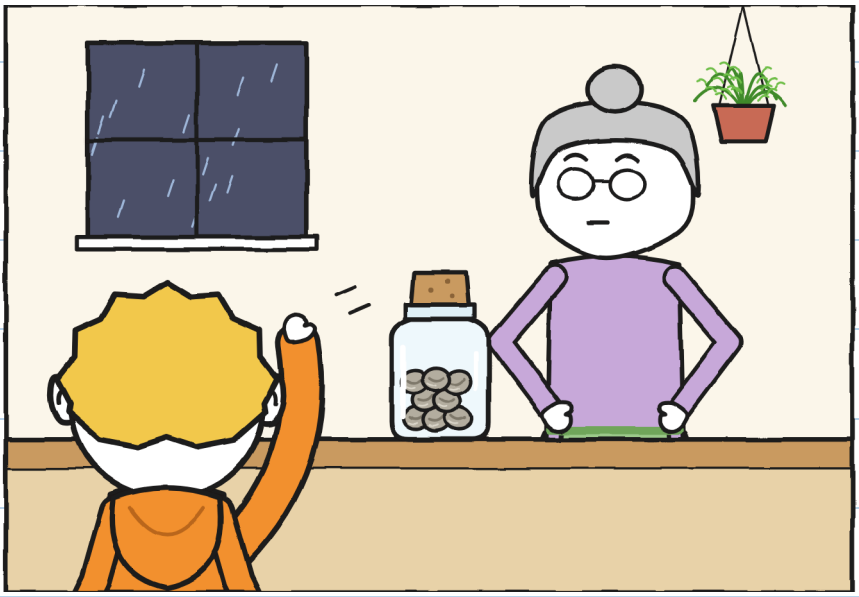
पैदल पुल से मुझे डर लगता है। –ज.

“R. का वादा हमेशा पूरा होता है,” फ़्लोरा ने कहा। “तेईस बार पत्थर निकले।”

“क्या आपने कभी गरज का इंतज़ार किया?” मैंने पूछा।

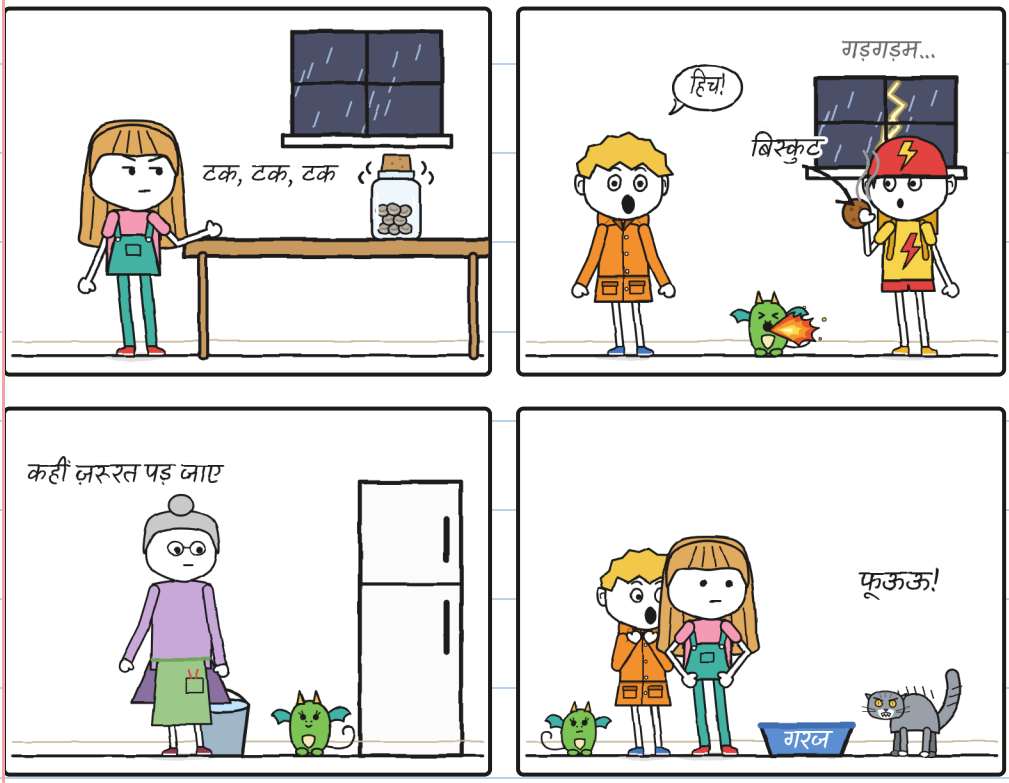
फ़्लोरा ने मुझे देखा।

“मैं किसी का इंतज़ार नहीं करती,” उन्होंने कहा। “गरज का भी नहीं।”



फ़्लोरा के बिल्ले का नाम गरज है। वह बादल जैसा स्लेटी है।

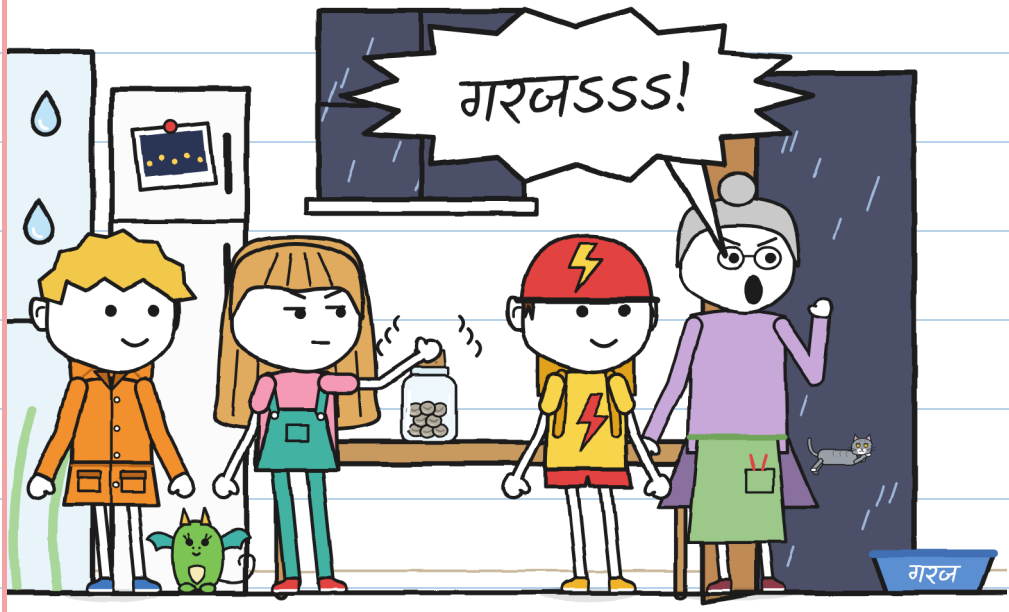
हम रसोई में तूफ़ान का इंतज़ार करते रहे।



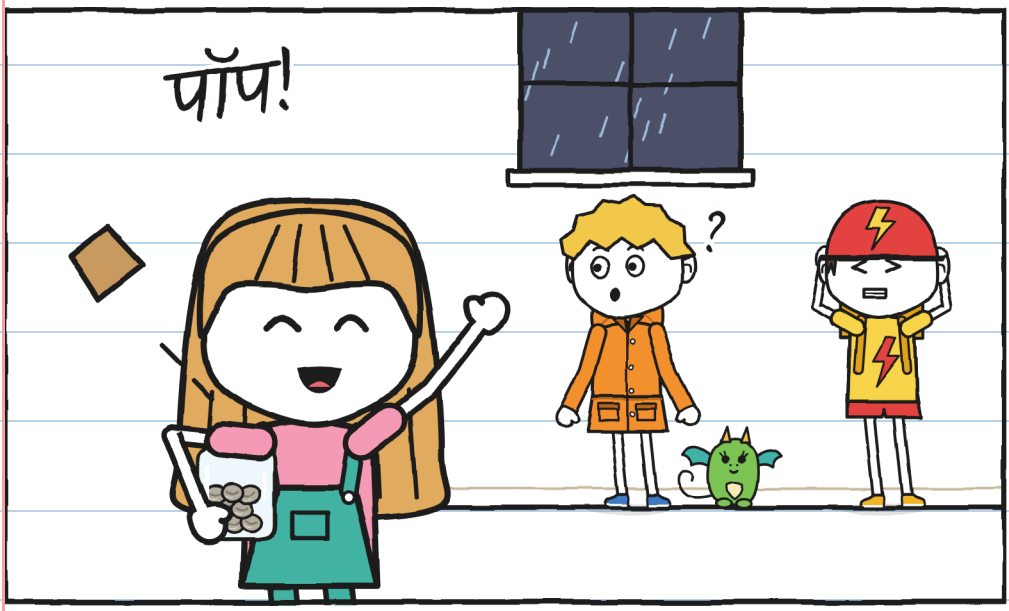
इंतज़ार करना सबसे बुरा है। –ज.

शीशी खन-खन कर रही थी। जूलिता
गिन रही थी: "बारह हाथी।" फिर: "नौ।"

चूरा ने एक छोटी-सी लपट छोड़ी।
गरज तीर की तरह भागा।
"गरजऽऽऽ!" फ़्लोरा चिल्लाई।



और जूलिता ने शीशी खोल दी।

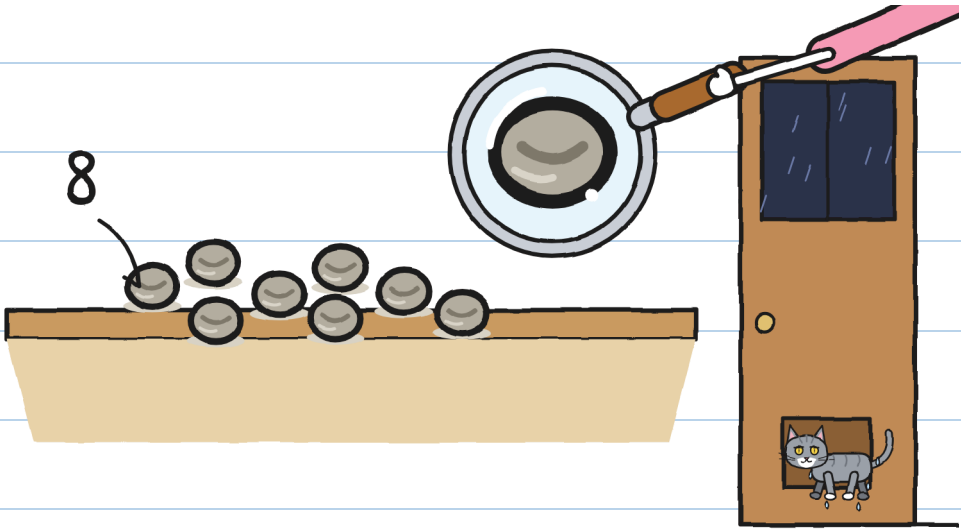


"बादल गरजा!" वह बोली।

बादल नहीं गरजा। फ़्लोरा चिल्लाई। गरज तो बिल्ला है।

मैंने "गरज!" सुना। वह तो बिल्ला था। –ज.

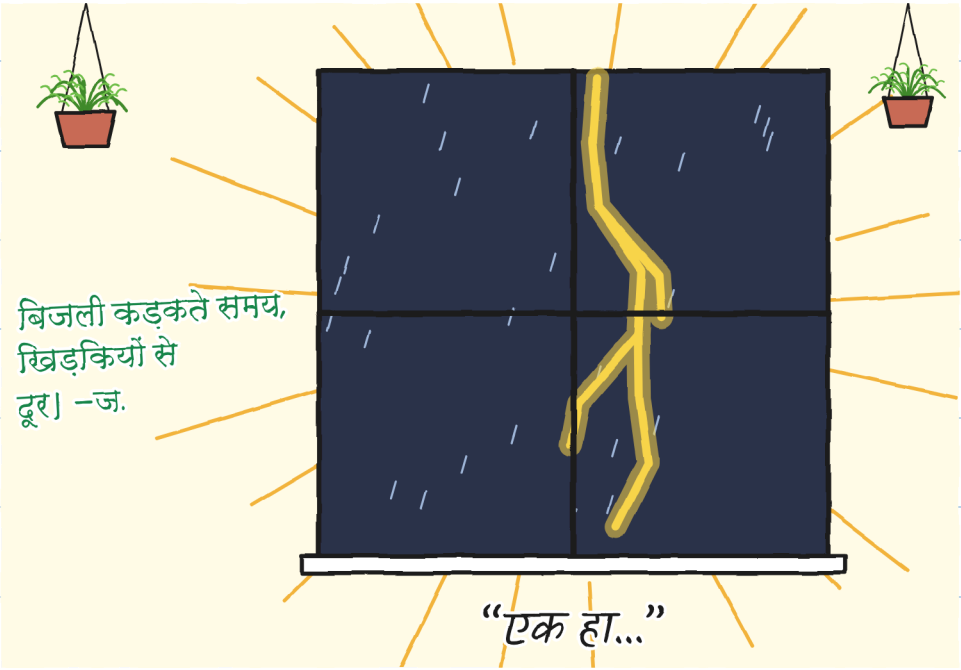
शीशी चुप हो गई। अंदर आठ
स्लेटी गोलियाँ थीं, ठंडी और शांत।
“इन पर एक लकीर है,” जूलिता ने कहा।



गरज लौट आया, भीगा हुआ।
“पत्थर, हमेशा की तरह,” फ़्लोरा ने कहा।

जूलिता लाल हो गई।

“ये बीज हैं, पत्थर नहीं,”
मैंने कहा। “ये सो रहे हैं।”
“साबित करके दिखाएँ,” फ़्लोरा ने कहा।
छह बजे थे। बिजली चमकी।
जूलिता ने गिनना शुरू किया:



और असली वाली आई।

गड़गड़ा हट!

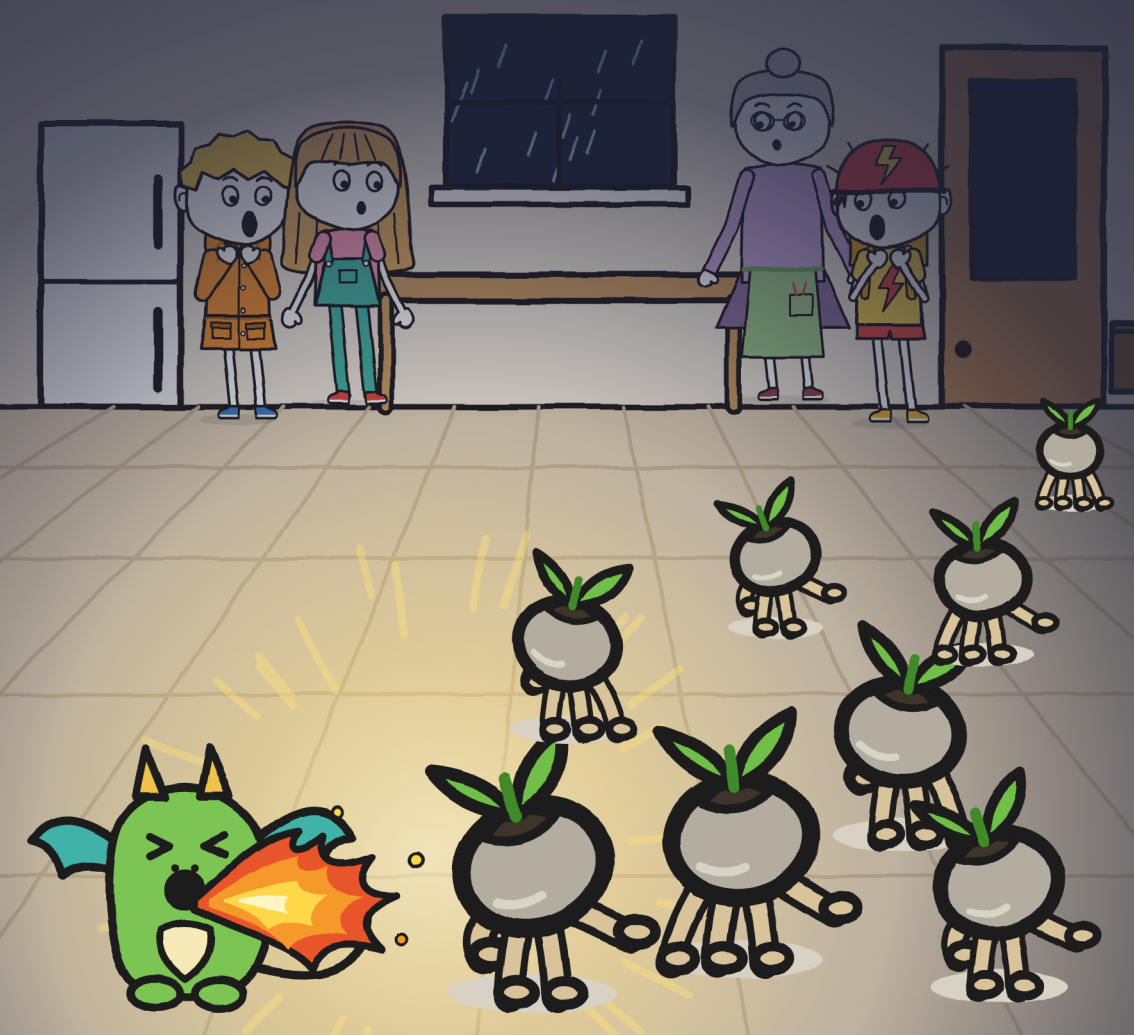
गरज और बिजली की चमक एक साथ।
तूफ़ान ठीक सिर पर था। काँच काँप उठे।

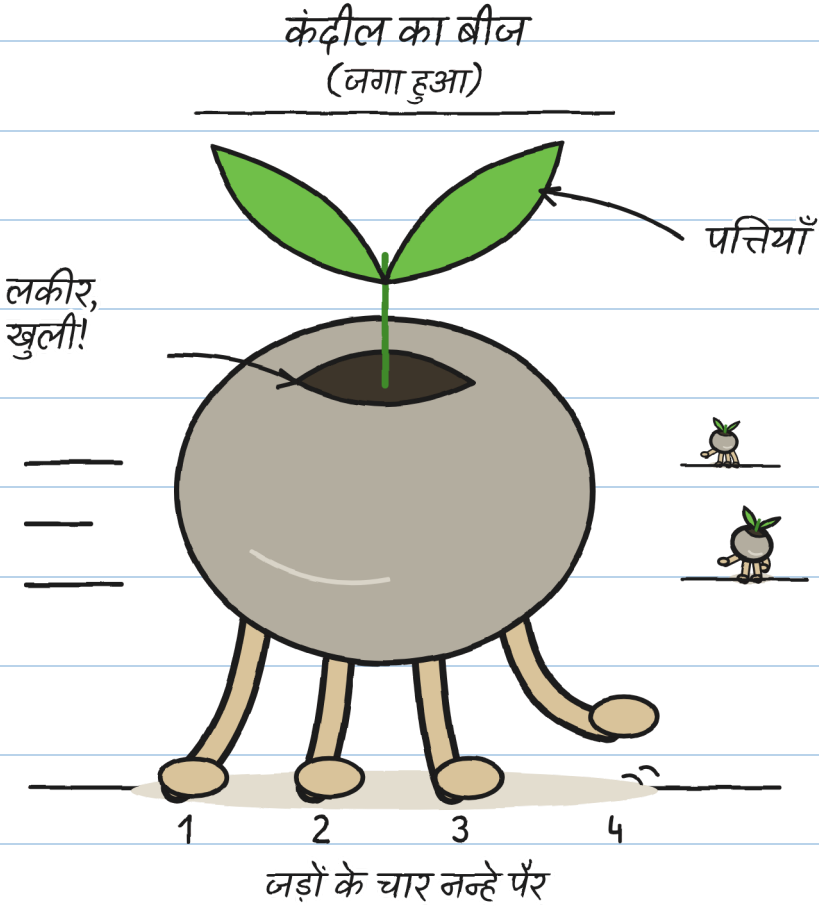
और बत्ती चली गई।



मैंने हिच किया। चूरा ने हिच किया: एक बड़ी लपट।

मेज़ ख़ाली थी।





पत्थरों के पैर थे।

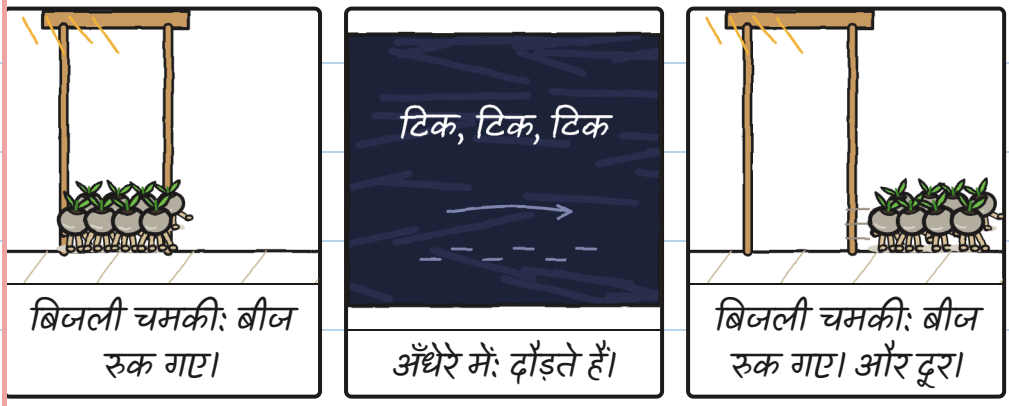
और जलूदबाज़ी। –ज.

अध्याय 3

जब तुम नहीं देखते, ये हिलते हैं

अँधेरे में: टिक, टिक, टिक।

वे भाग रहे थे, पर हर चमक उन्हें रोक देती थी। मैंने छलनी सिर पर रख ली।



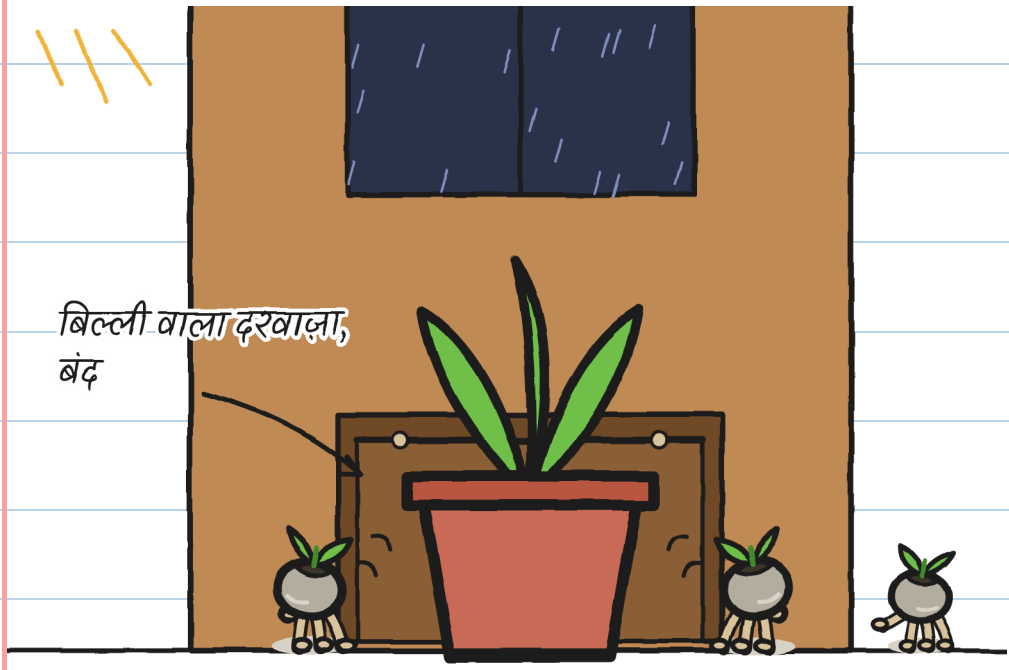
"स्टैचूयू" का खेल, बीजों के साथ। –ज.

फ़्लोरा ने टॉर्च एक बीज पर डाली।
बीज रुक गया।
“ये बीज हैं! ये जाग रहे हैं!” फ़्लोरा चिल्लाई।



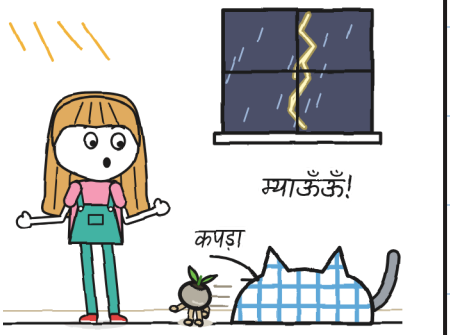
उन्होंने रोशनी हटाई। दूसरा भागा।
रोशनी में रुके। अँधेरे में
दौड़े। एक टॉर्च काफ़ी नहीं।

सब बिल्ली वाले दरवाज़े की ओर जा रहे थे। फ़्लोरा ने उसके आगे गमला रख दिया। “वे तूफ़ान की गीली मिट्टी ढूँढ रहे हैं।”

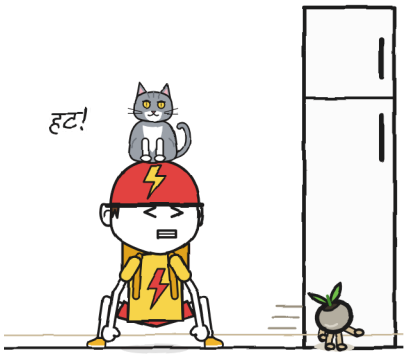


अब वे अँधेरे में पूरी रसोई में फैल गए थे।

हमने सब कुछ आज़माया:



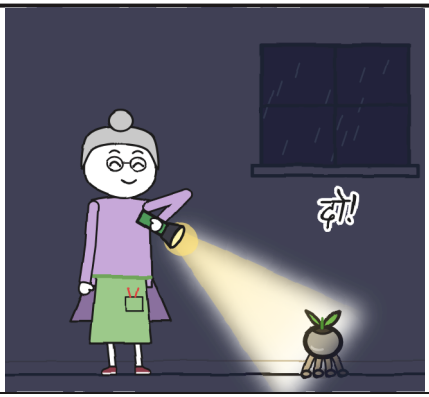
जूलिता: गरज को पकड़ा।



टोन्यो: गरज ने उसे पकड़ लिया।



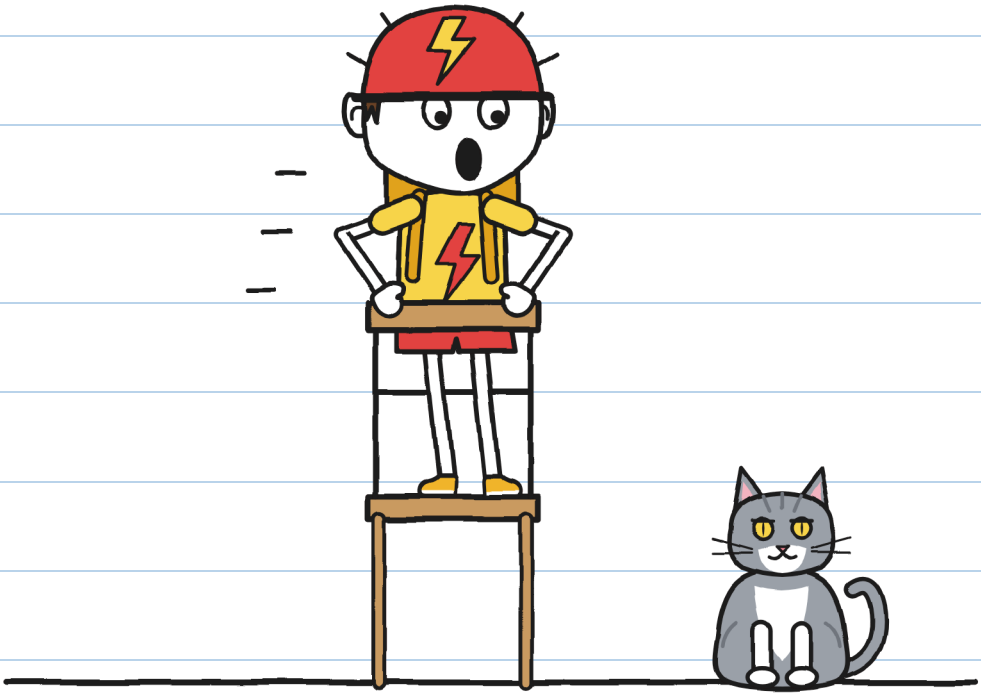
चूरा: एक!



फ़्लोरा: दो!

गरज भी शिकार कर रहा था। वह लगभग अँधेरे में भी देख लेता है।

टोन्यो को बिल्लियों से डर लगता है।

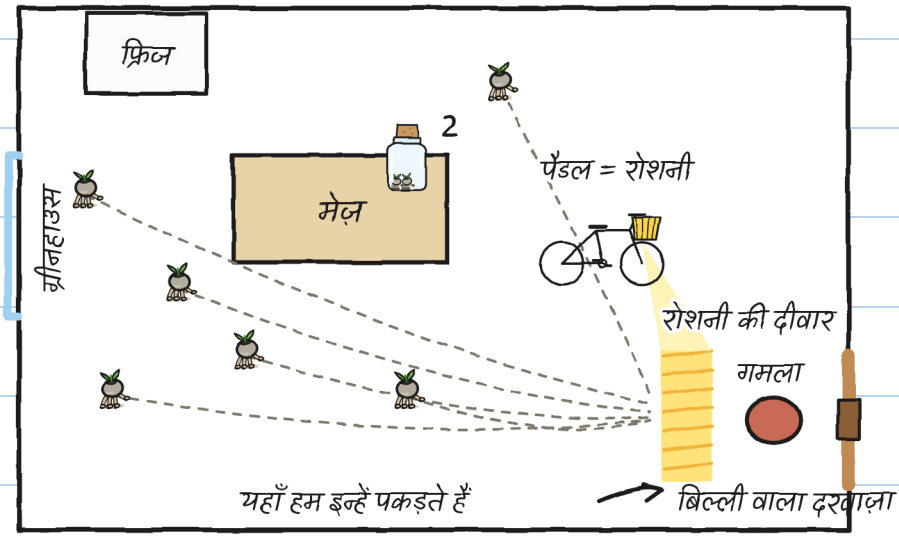


“यह गरज है!” जूलिता ने कहा।

“और भी बुरा!” टोन्यो चिल्लाया।

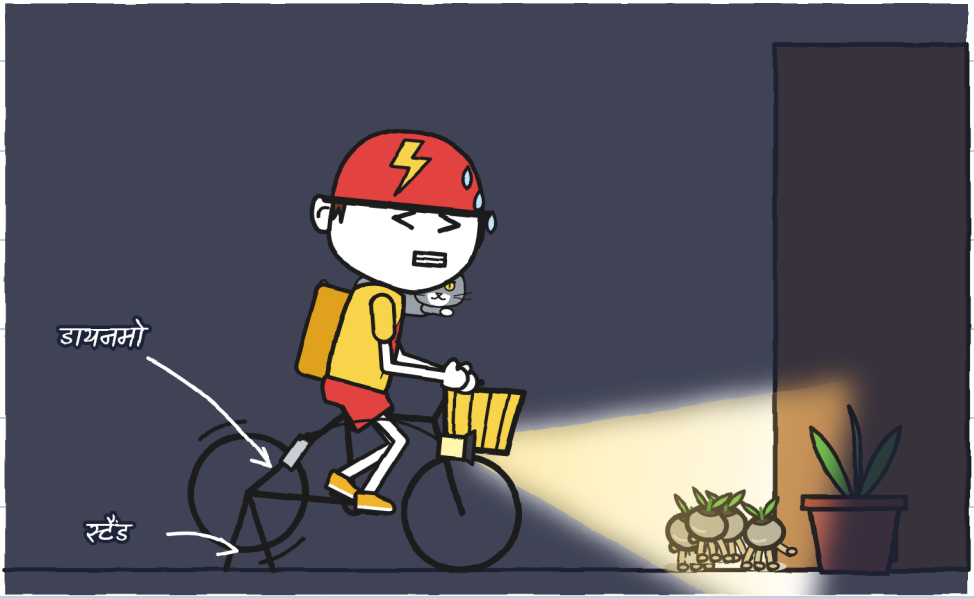
दो डर, एक नाम। –ज.

मेज़ के नीचे से मैंने कुछ देखा: वे हमेशा
बिल्ली वाले दरवाज़े पर लौट आते थे।
मैंने एक नक़्शा बनाया।



"टोन्यो, तुम्हारी हेडलाइट
पैडल मारने से जलती है?"
"बिल्कुल।"
"आज तुम रोशनी पहुँचाओगे।"

हमने साइकिल को खड़ा कर दिया।
हेडलाइट बिल्ली वाले दरवाज़े की
ओर थी। और टोन्यो ने पैंडल मारे।
उसने पहले कभी इतने पैंडल नहीं
मारे। गरज उसके ऊपर चढ़ गया।



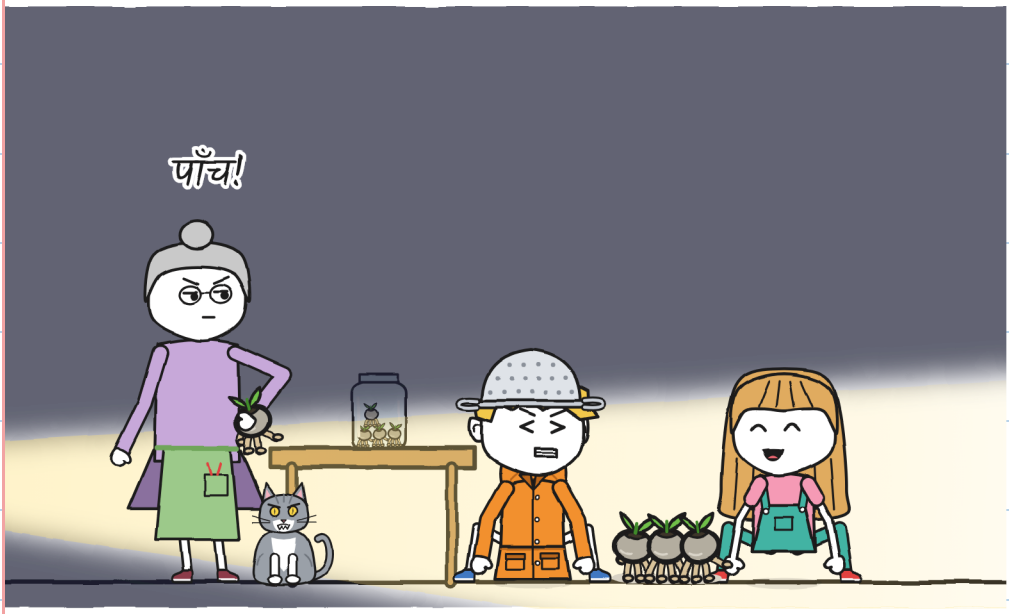
"बिजली" किसी काम की निकली। –ज.

बीज रोशनी में रुक जाते थे।

हमने उन्हें पकड़ा: तीन, चार।

गरज ने एक और बीज मुँह में पकड़ लिया।

“पाँच!” फ़्लोरा ने कहा।



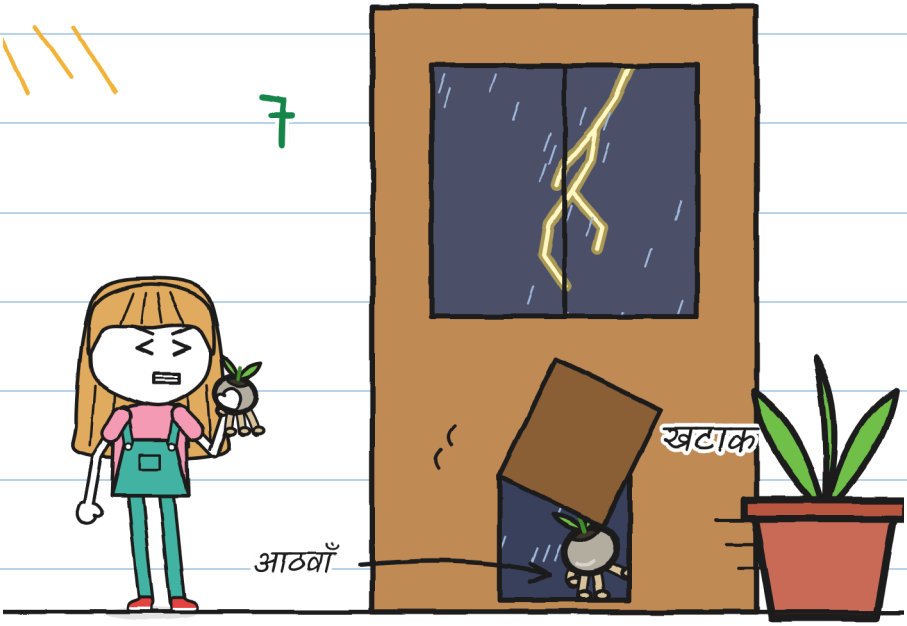
छह।

फ़्लोरा ने शीशी बंद कर दी। गरज उछलकर
मेज़ पर चढ़ा और उसे गिरा दिया।



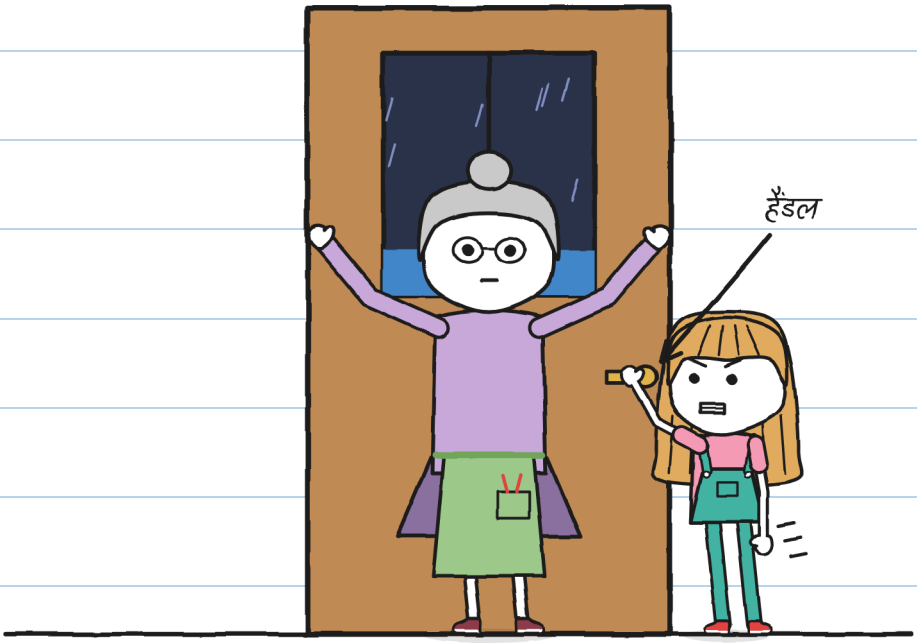
टोन्यो ने उसे हवा में ही लपक लिया।
पर उसने पैंडल मारना छोड़
दिया। रोशनी बुझ गई।

अँधेरे में: टिक, टिक, टिक। बिल्ली
वाला दरवाज़ा खटाक बोला।
फ़र्श पर एक बीज बचा था।
जूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।



आठवाँ बिल्ली वाले दरवाज़े
से बाहर चला गया।

“मैं उसे लेकर आती हूँ!” जूलिता ने कहा।
“बिजली कड़क रही हो तो कोई
बाहर नहीं जाएगा,” फ़्लोरा ने कहा।



जूलिता ने हैंडल नहीं छोड़ा।
बिल्ली वाला दरवाज़ा खटाक बोला।
गरज था, आठवें बीज के बिना।

“एक हाथी, दो हाथी।

गड़गड़म।

“बहुत पास,” जूलिता ने कहा।

“इन्हें अँधेरे में लगाएँगे,” फ़्लोरा ने कहा।

“वहाँ अंदर?” जूलिता ने पूछा।

“बिजलियाँ बाहर रहती हैं।”



फ़्लोरा ने चूरा की ओर देखा।

चूरा ने मुझे देखा। और हिच किया।

अध्याय ५

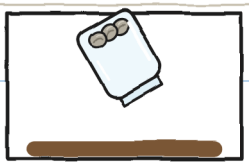
हिंच

कंदील ऐसे लगाया जाता है:

कंदील लगाना

1. 

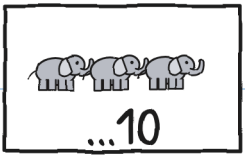
तूफ़ान की गीली मिट्टी।
(नल वाली नहीं।)

2. 

शीशी खोलना।
(पहले खोला, तो भाग जाते हैं।)

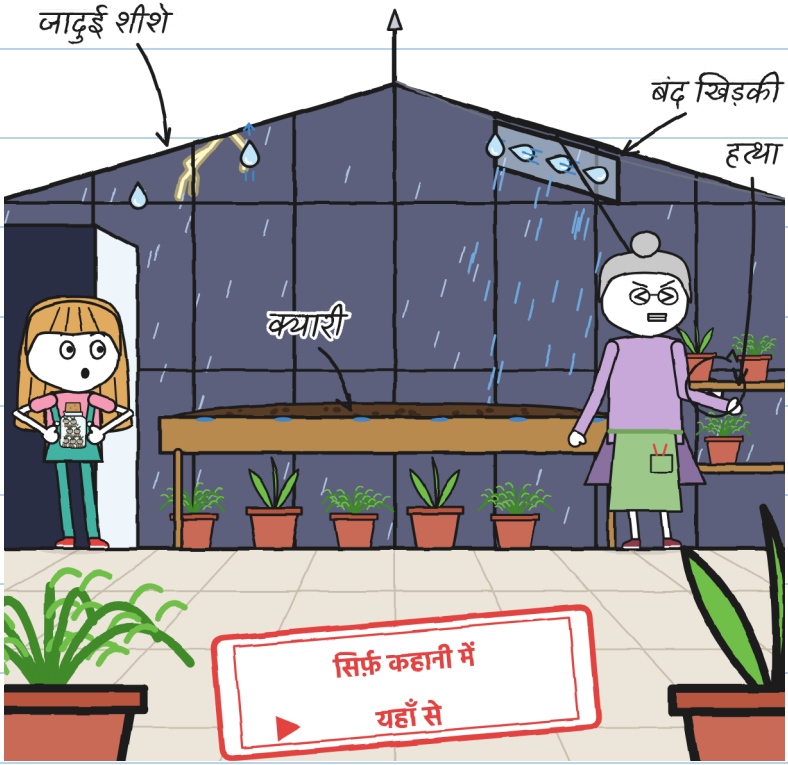
3. 

सब अँधेरे में।
अपने आप लग जाते हैं।
(तुम इन्हें मत दबाना।)

4. 

इससे पहले कि वह गुज़र जाएः
दस से ज़्यादा,
नहीं लगते।

फ़्लोरा ने एक हत्था घुमाया।
पेंट की हुई बूँदें नीचे उतर आईं।
असली बारिश क्यारी में गिरी।



असली तूफ़ान: ग्रीनहाउस कभी नहीं। –ज.

“सब अँधेरे में,” फ़्लोरा ने कहा।

पर चूरा पहले से अंदर थी, क्यारी के नीचे।

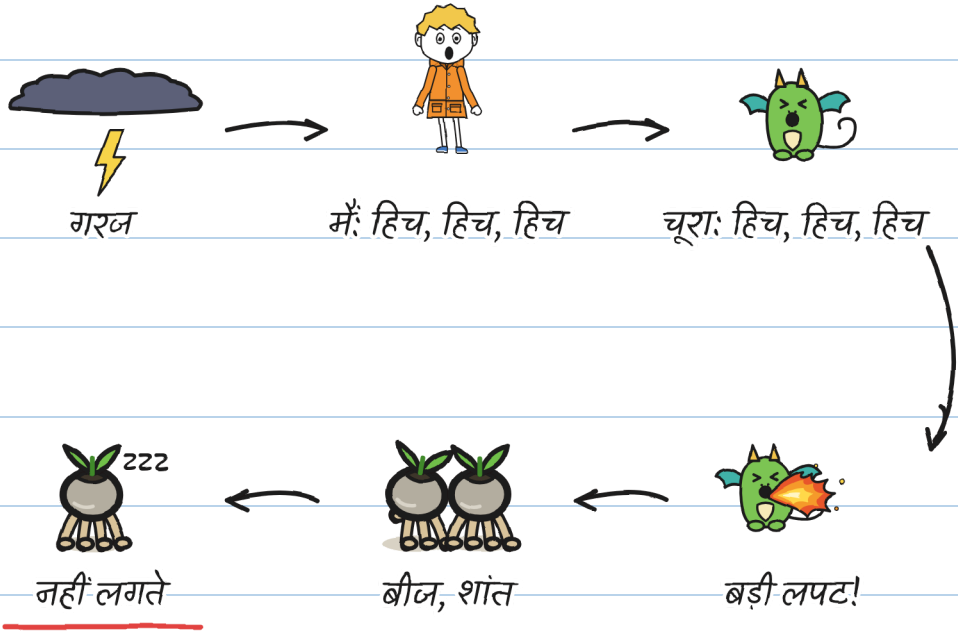
फ़्लोरा ने उसे खींचा। चूरा
ने गमलों को पकड़ लिया।



मेरी हर हिच चूरा को जला देती।

मैंने इसे समझने के लिए बनाया:

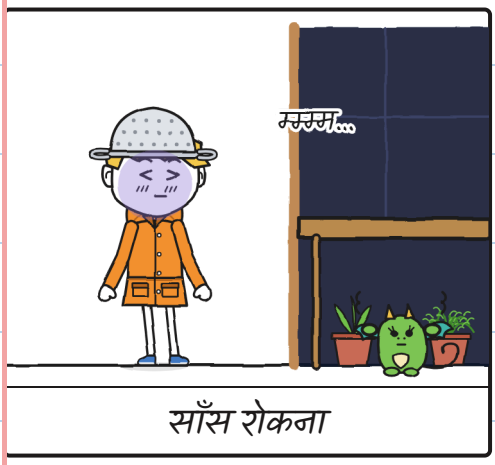
हिच की ज़ंजीर



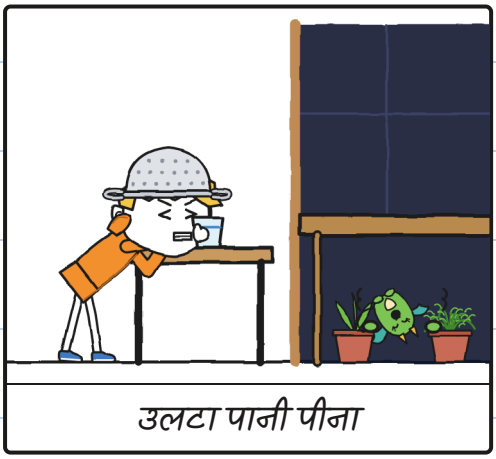
रसोई में हिच काम आ रही थी। ग्रीनहाउस में नहीं।

ज़ंजीर को तोड़ना होगा। –ज.

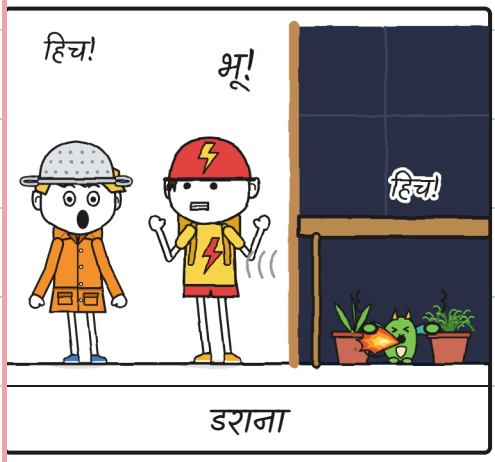
हमने हिचकी के कुछ इलाज आज़माए:



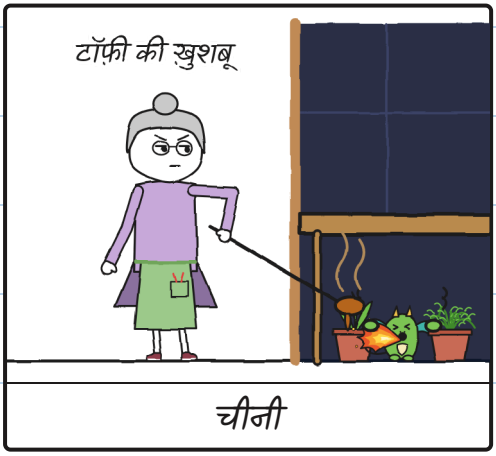
साँस रोकना



उलटा पानी पीना



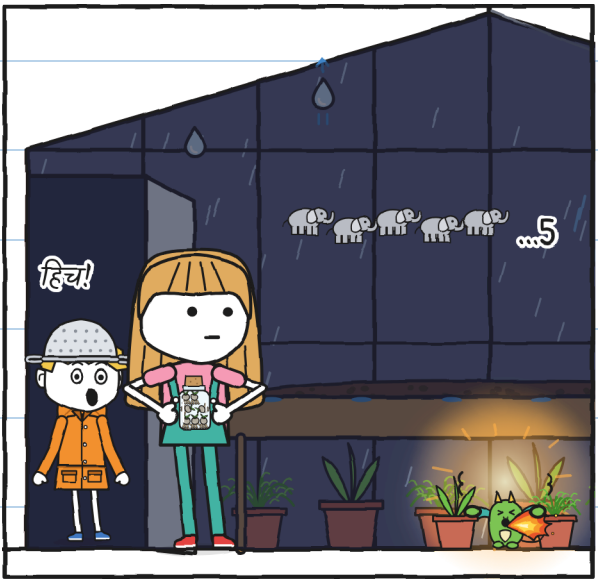
डराना



चीनी

इलाज: शून्य। हिचकियाँ: बहुत सारी। –ज.

“चार, पाँच हाथी,” जूलिता ने
गिना। गड़गड़म। वह और दूर गिरी।
सातों बीज चक्कर काट रहे
थे। मुझे हिच आ रही थी।



“और अगर हम ग्यारह
तक पहुँच गए?” मैंने पूछा।
“फिर से पत्थर,” जूलिता ने कहा।

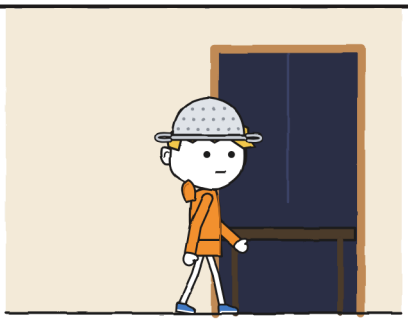
"चूरा तुम्हारे डर की नक़ल
उतार रही है," जूलिता ने कहा।
"उसके पास रहो।"
मेरा प्लान अब काम नहीं कर रहा था:

मेरा प्लान
डर को छिपाना:

1. कहना कि मुझे गरज बहुत पसंद है।
2. ~~हिच नहीं करना।~~ हिच हिच हिच हिच हिच
3. ???

और 3 नंबर? –ज.

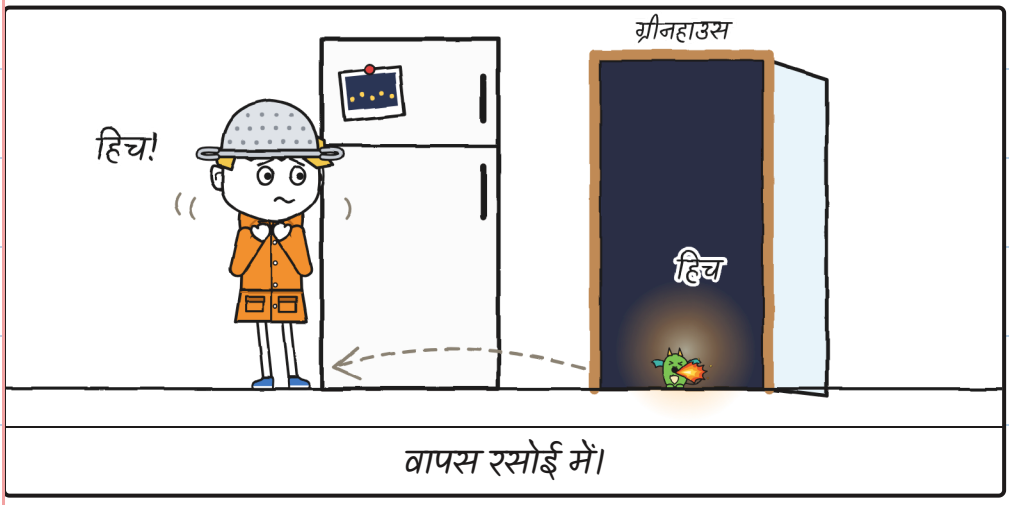
मैंने कोशिश की। सच में।



एक पैर अंदर।



एक गरज।



वापस रसोई में।

ग्रीनहाउस में गरज सबसे
ज़ोर से सुनाई देती है।

मैंने काँच की छत से ऊपर देखा।

वेरा के ड्रैगन तूफ़ान में उड़ रहे थे।



वे हिच नहीं कर रहे थे।

“चलो, शिकारी,” टोन्यो ने कहा।
मैं मज़ाक का इंतज़ार
करता रहा। वह नहीं आया।
मैंने छलनी फ़्लोरा को दे दी।



और मैं अंदर गया।

डर के लिए, हाँ। –ज.

अंदर बारिश ज़ोर से बज रही थी। मैं क्यारी के नीचे घुस गया। चूरा मेरी तरह काँप रही थी।



गड़गड़म! मैंने हिच किया। चूरा ने हिच किया।

हम दो तूफ़ान के शिकारी थे।

दरवाज़े से जूलिता ने धीमे से कहा।



“मेरे साथ गिनो।”

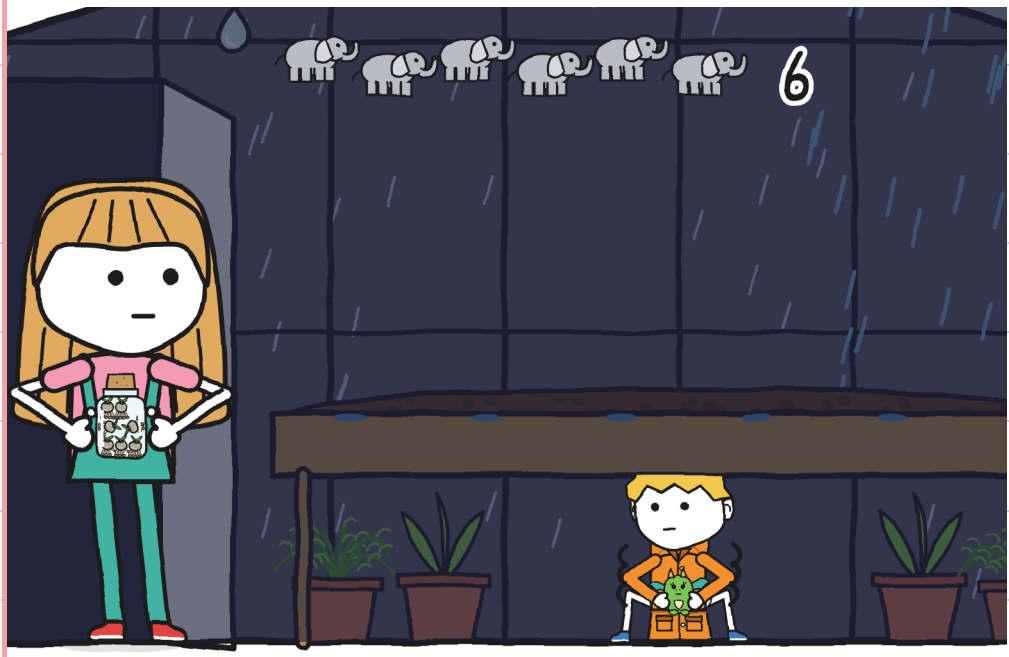
अध्याय 5

मेरे साथ गिनो

और हमने गिना।

“एक हाथी, दो, तीन, चार, पाँच, छह।”

गड़गड़म। वह और दूर गिरी।



मैंने छह हाथी गिने। डर अब भी वहीं था।

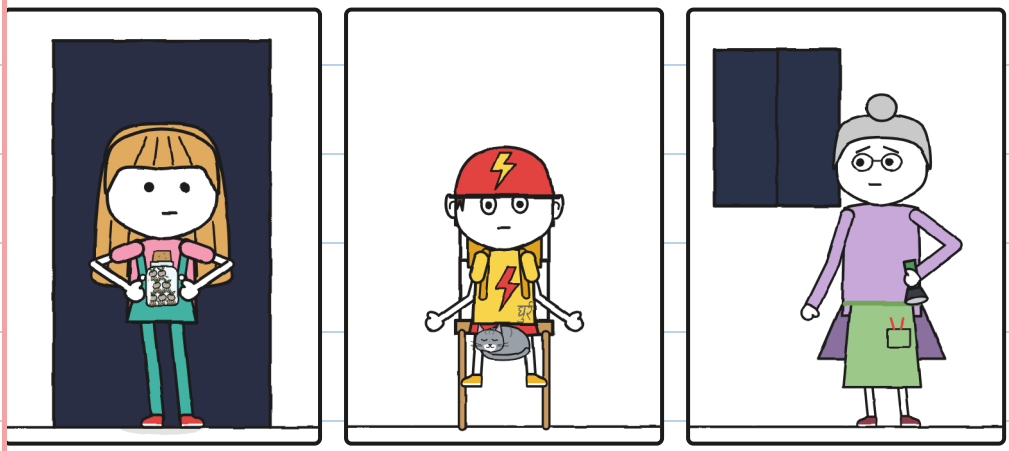
मैंने सच कहकर देखा।



“मुझे गरज से डर लगता है।”

“मुझे पता है,” जूलिता ने कहा।
“तुमने इसे पेज 6 पर बनाया था।”

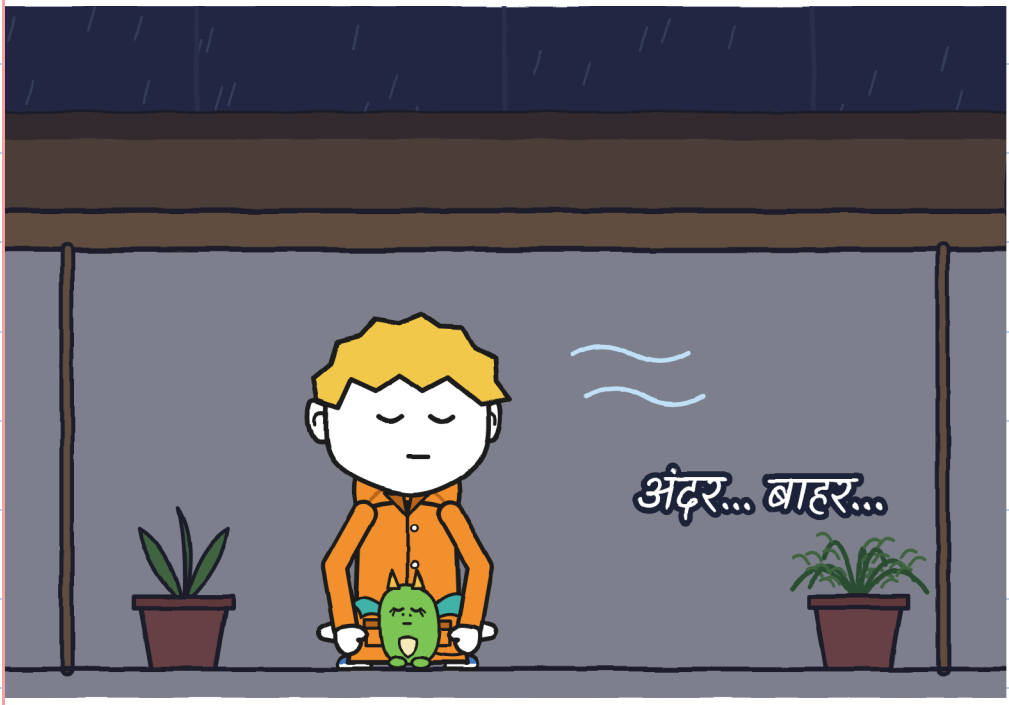
“मुझे बिल्लियों से डर
लगता है,” टोन्यो ने कहा।
“और मुझे इंतज़ार करने से,” फ़्लोरा ने कहा।



और मुझे पैदल पुलों से। –ज.

कोई नहीं हँसा। मैं अब अकेला नहीं था।

हमने धीरे-धीरे साँस ली।



हमने नौ तक गिना। मुझे हिच नहीं आई।

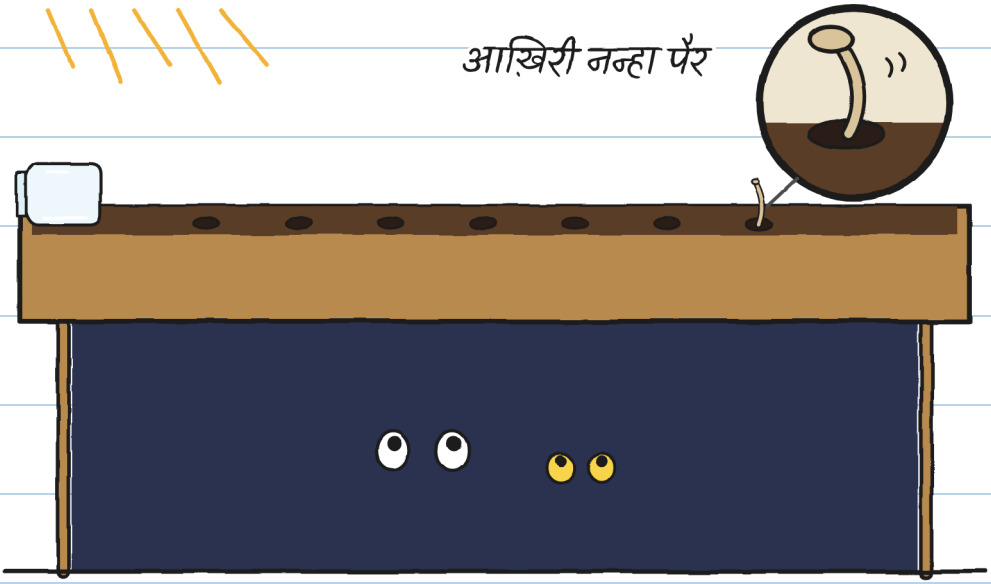
“अब!” फ़्लोरा ने फुसफुसाकर कहा।
जूलिता पंजों के बल अंदर गई।
उसने खुली शीशी रख दी।



टिक, टिक, टिक। शीशी
से कुछ निकल रहा था।

हमने दस तक गिना। गड़गड़म।

और हमने उसे देखा:

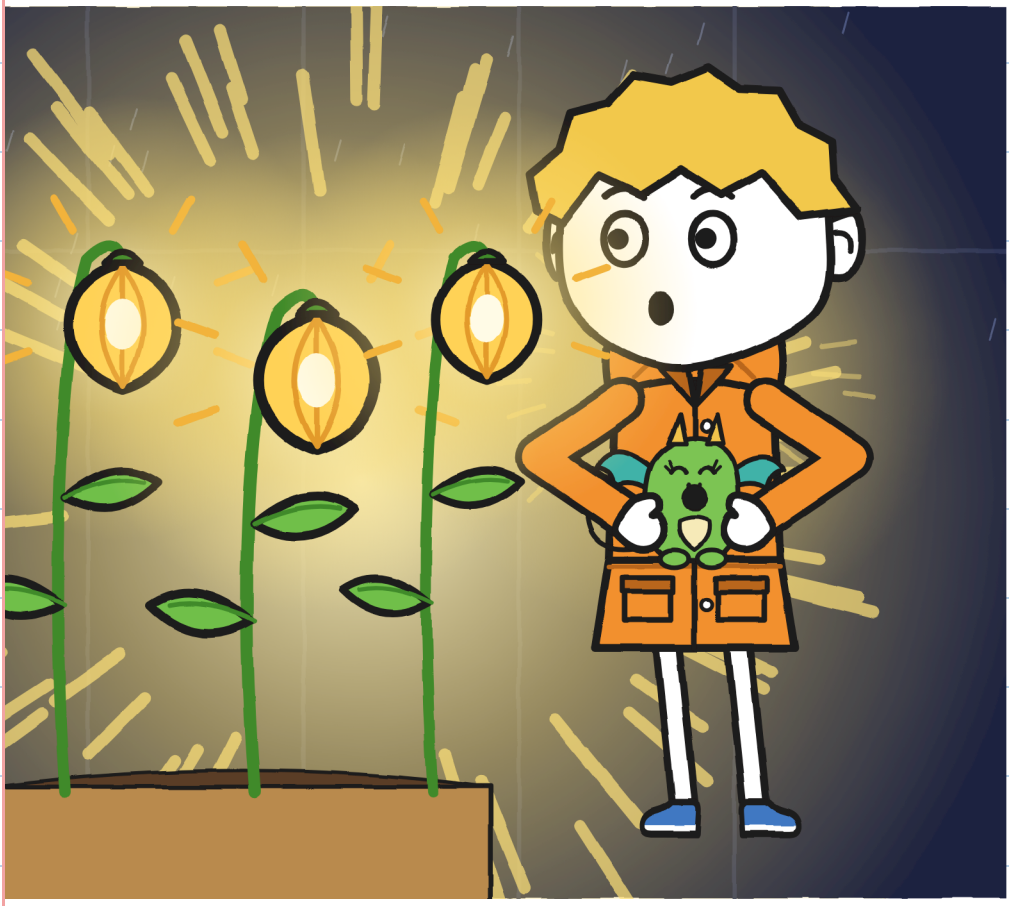


शीशी ख़ाली थी। मिट्टी में सात छोटे गड्ढे।

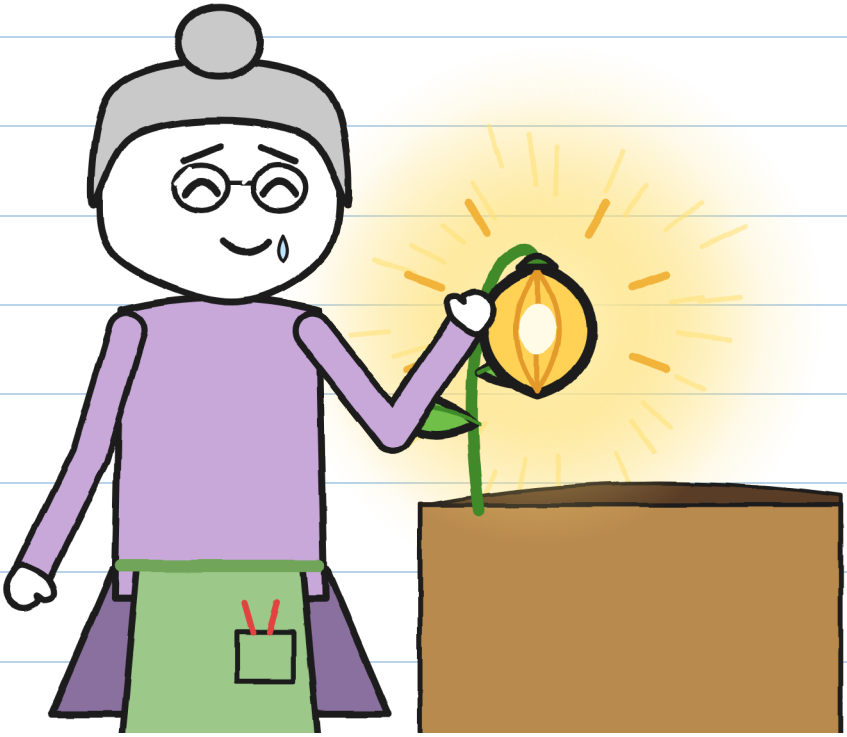
और पहला जल उठा।


सात कंदील। हर एक में बिजली का एक छोटा टुकड़ा।

चूरा ने हिच नहीं की। वह कंदीलों
को देख रही थी, ठीक मेरी तरह।

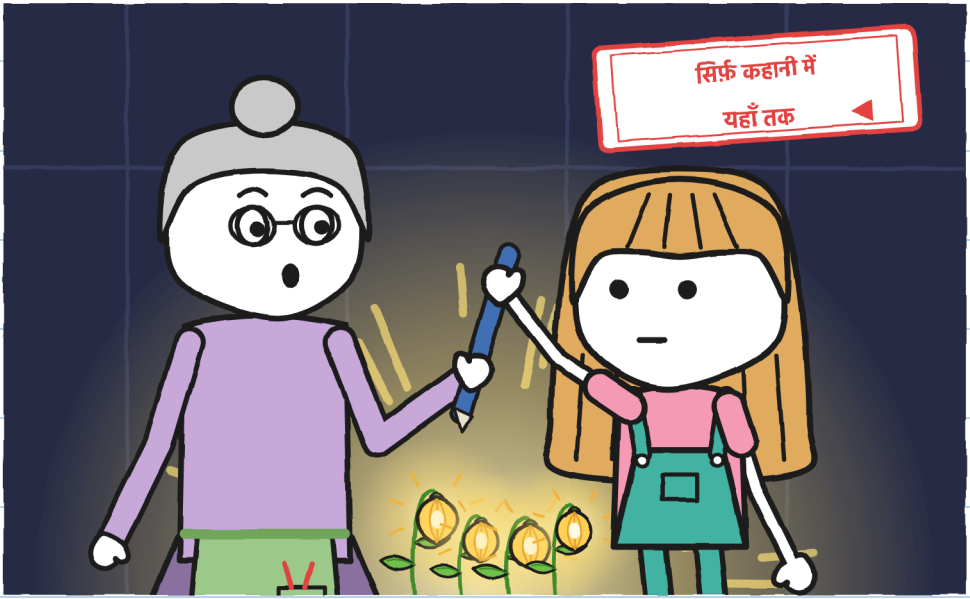


फ़्लोरा ने एक कंदील को
उँगली की नोक से छुआ।
“नहर का रास्ता ऐसा ही
दिखता था,” उन्होंने कहा।



मैंने भी एक को छुआ। वह गुनगुना था।

फ़्लोरा ने पेन निकाला। आख़िरकार
वे दस्तख़त करने वाली थीं।
जूलिता ने उन्हें रोक दिया।
“अभी नहीं। एक बाक़ी है,” जूलिता ने कहा।
फिर उसने लेबल उतार लिया।



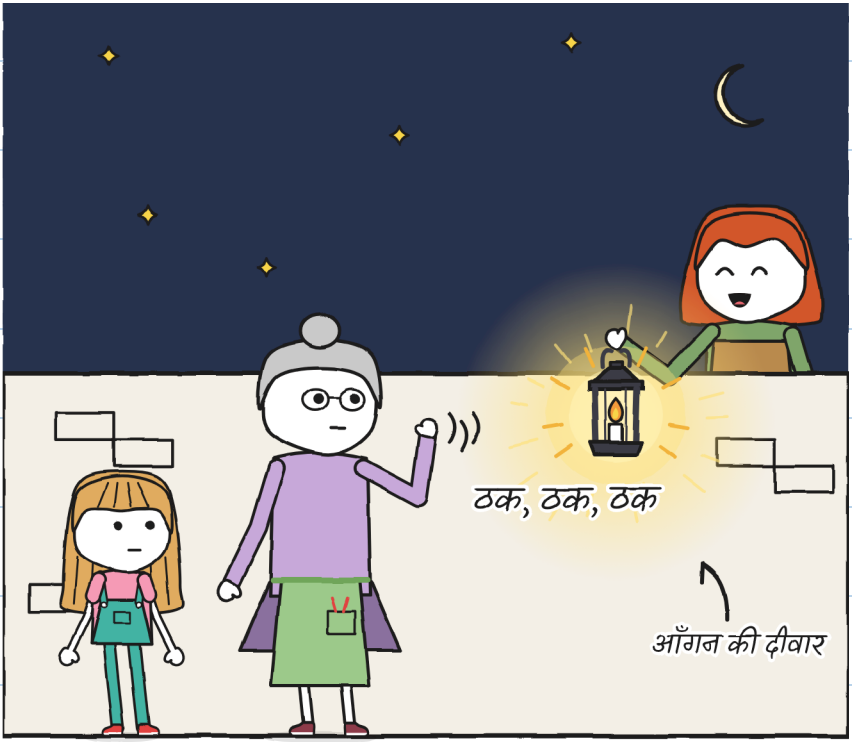
पूरा पहुँचाओ, वरना नहीं। –ज.

हमने आख़िरी गरज से आधा घंटा इंतज़ार किया। अब बारिश नहीं हो रही थी।



आठवाँ अब भी बाहर था, अँधेरे में।
दस्तख़त के बिना, नं. 2
सुबह होते ही लौट जाता है।

“चलो, उसे ढूँढते हैं,” जूलिता ने कहा। फ़्लोरा ने आँगन की दीवार पर तीन बार थपथपाया। वे वेरा को बुला रही थीं।



“इस बार तुम अकेले नहीं जा रहे,” उन्होंने कहा।

अध्याय 6

आठवाँ बीज

हम फ़्लोरा और वेरा के साथ निकले।

मेरे रेनकोट के अंदर चूरा थी।

हमने आँगन और नहर के पास ढूँढा।



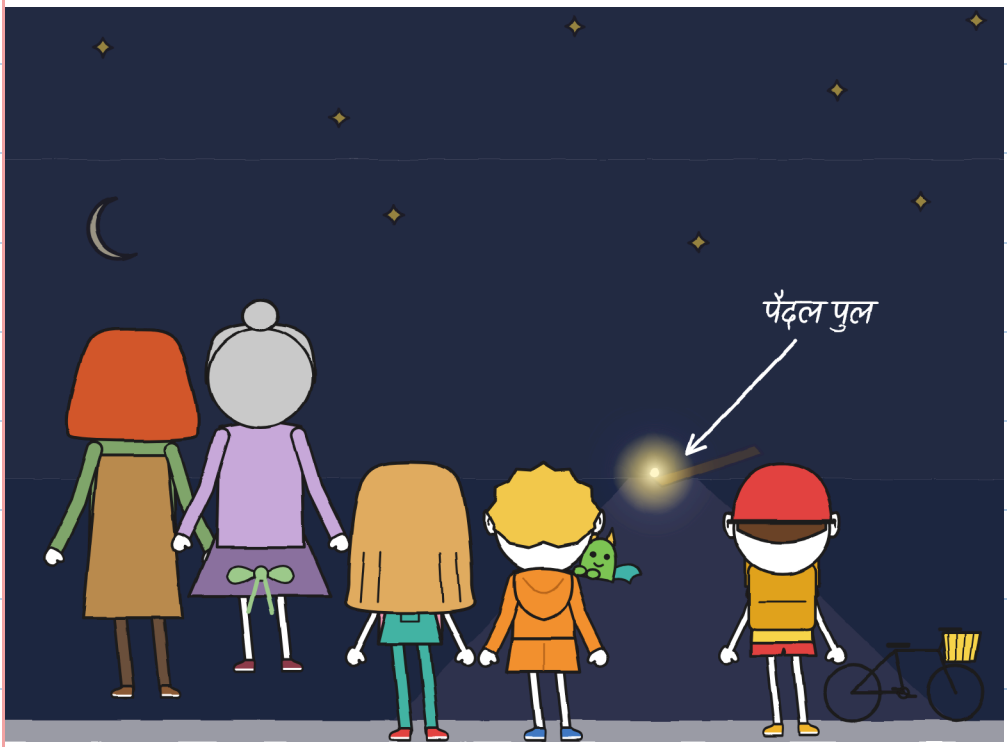
कुछ नहीं। वह कोई भी पत्थर हो सकता था।

छोटा कंदील रोशनी में नहीं दिखता।

“बत्तियाँ बुझा दो,” मैंने कहा।

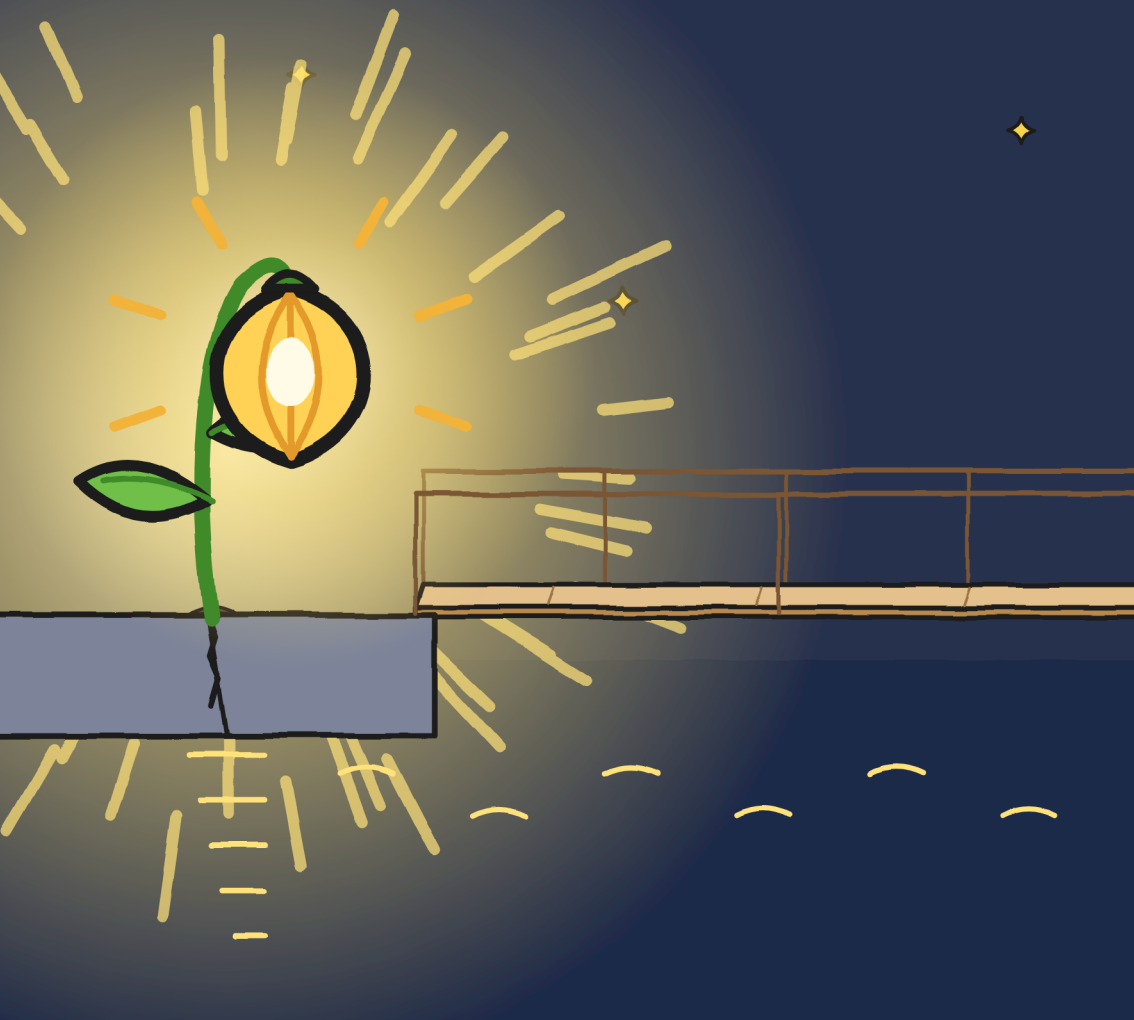
हम स्थिर खड़े रहे।

छोर पर एक नन्ही-सी बत्ती थी।



पैंदल पुल के सिरे पर।

बारिश उसे पगडंडी से बहाकर रास्ते तक ले आई थी। वह पैदल पुल के सिरे पर अपने आप उग गया। दूर से, एक नन्ही-सी बत्ती; पास से, उसने सब कुछ रोशन कर दिया।



जूलिता ने पैंदल पुल को देखा। रोशनी
में वह कुछ और ही लग रहा था।
उसने पैंदल पुल पर एक
पैर रखा। फिर हटा लिया।



अब लगभग डर नहीं लगता। –ज.

“यह यहीं रहेगा,” फ़्लोरा ने कहा।
उन्होंने हरी स्याही से दस्तख़त किए।

नं. 2 · नाज़ुक

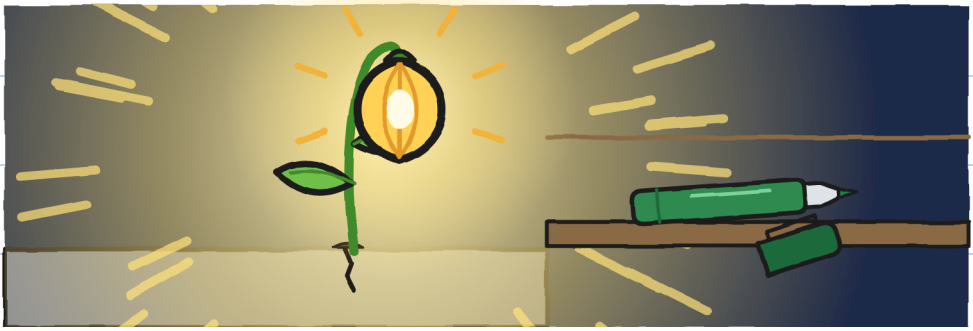
गंतव्य: फ़्लोरा, नहर, 9

बिना गरज, न खोलें

प्रेषक: R.

वापस आया

पहुँच गया · फ़्लोरा



फ़्लोरा ने मुझे अपनी छलनी दी।
“अगले तूफ़ान के लिए,” उन्होंने कहा।

वेरा हमें वैन में दुकान तक ले गई।
फिर वे अपने ड्रैगनों के पास लौट गईं।

दुकान में अँधेरा था। मारा नहीं थीं।
वे नीचे थीं।

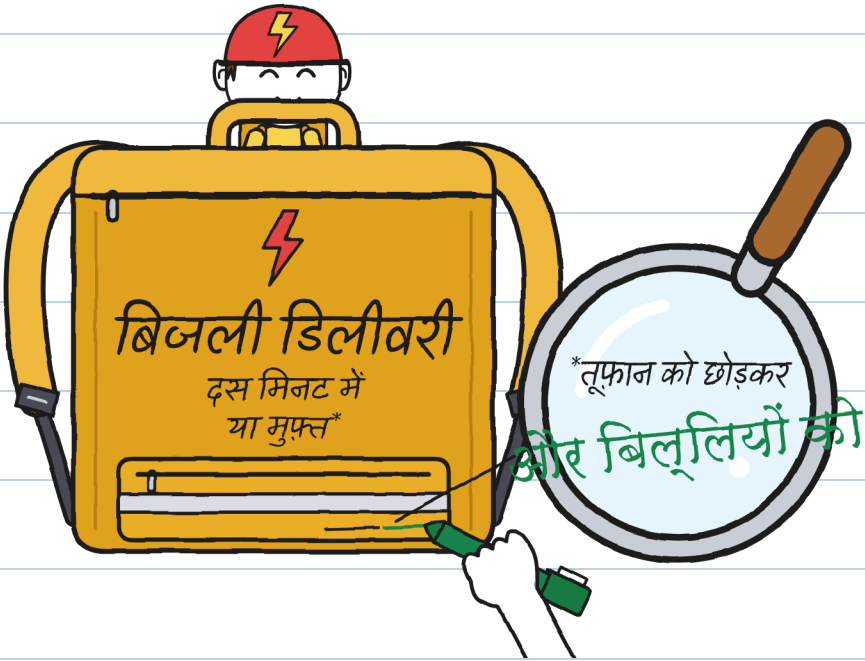


“क्या अब बीत गया?” मारा ने पूछा।
कंबल। ईयरमफ़। हेलमेट
की जगह एक पतीला।
“मुझे भी गरज से डर
लगता है,” मैंने उनसे कहा।
उन्होंने कंबल उठा दिया।



मैं उनके साथ नीचे घुस गया।

मारा ने टोन्यो के लिए एक डिब्बा रख दिया।
"तुम्हारी जगह," उन्होंने कहा।
टोन्यो ने अपने बैग पर "और
बिल्लियों को" लिख दिया।



अब यह सच कहता है। –ज.

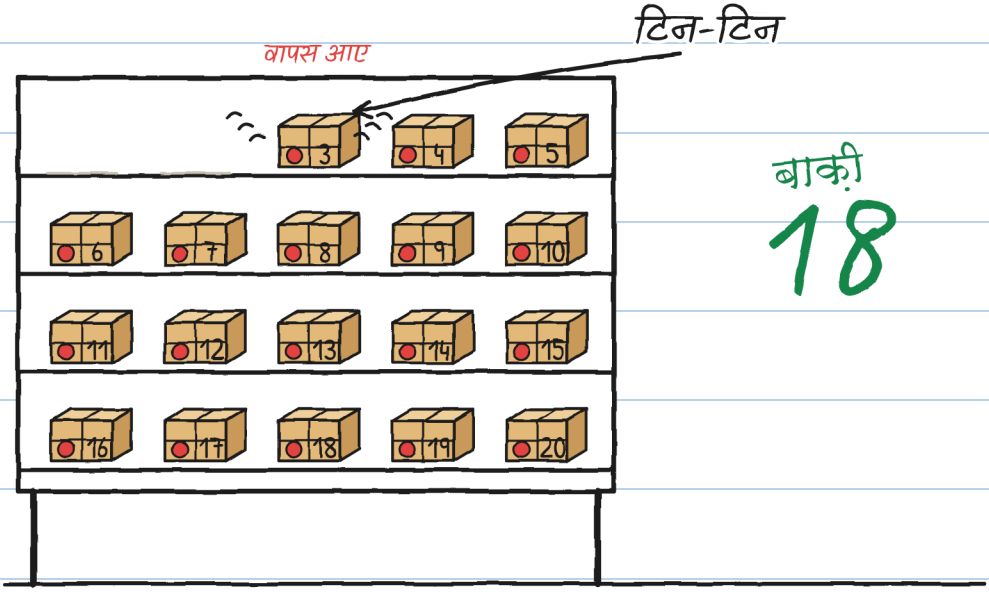
मैंने गरज के लिए अपना प्लान ठीक किया:

1. हाथी गिनना।
2. किसी के साथ।
3. हिच: कोई बात नहीं।

बाक़ी



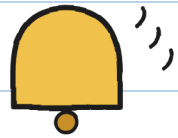
मत कहना कि तुम शिकारी हो। –ज.



एक वापस आया पार्सल बज उठा: टिन-टिन।

नं. 3

टोन्यू के लिए

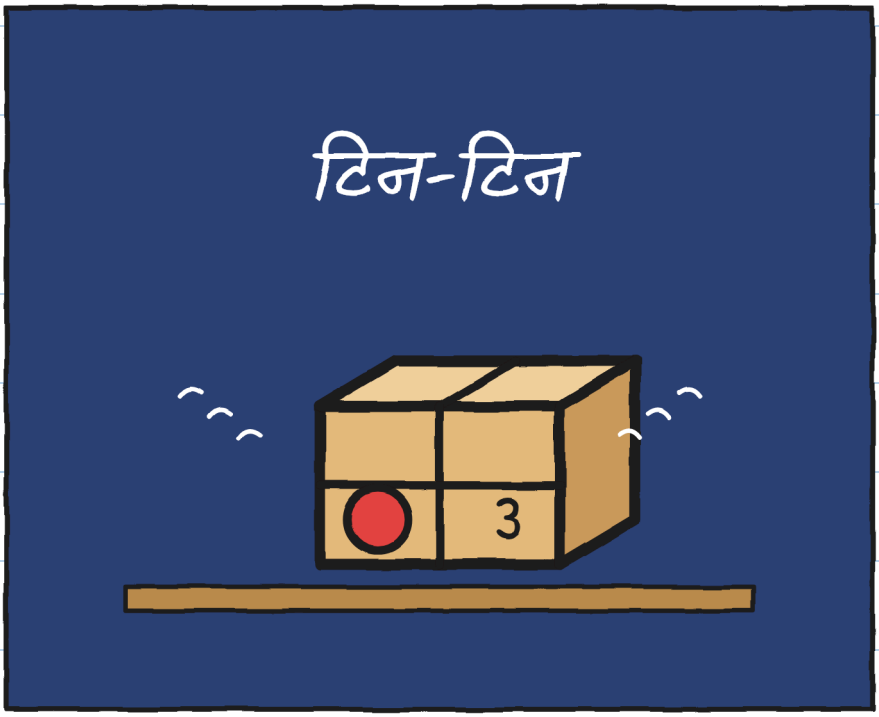


टोन्यो लाल हो गया।



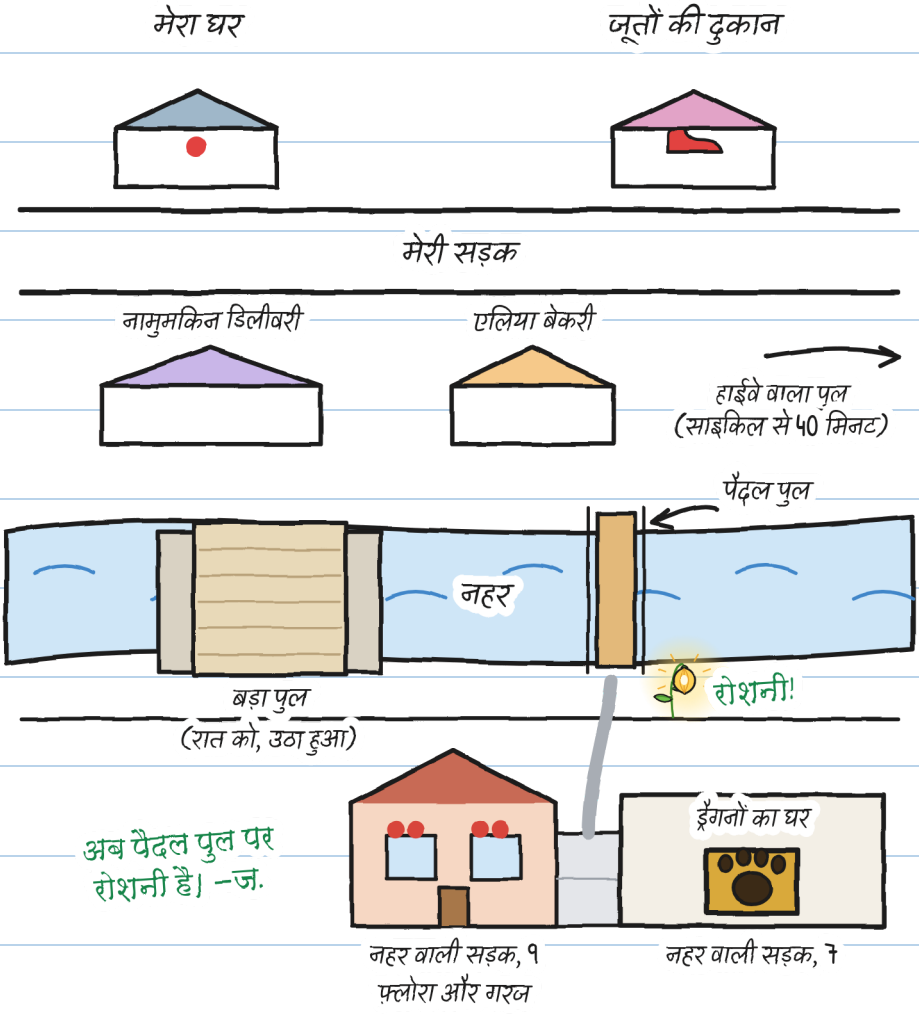
नामुमकिन डिलीवरी · 3

(बहुत जल्द)



टोन्यो को पार्सल कौन भेजता है? –ज.

मोहल्ला (वर्शन 2)


मेरा घर
जूतों की दुकान
मेरी सड़क
नामुमकिन डिलीवरी
एलिया बेकरी
हाईवे वाला पुल
(साइकिल से 40 मिनट)
पैदल पुल
नहर
रोशनी!
बड़ा पुल
(रात को, उठा हुआ)
अब पैदल पुल पर रोशनी है। –ज.
ड्रैगनों का घर
नहर वाली सड़क, १
फ़्लोरा और गरुड़
नहर वाली सड़क, ?

R. के बारे में



R.

1. ख़राब लिखावट (मारा)।
2. वेरा का रंग उड़ गया।
3. फ़्लोरा के साथ कंदील लगाना।
4. देर से सही, वादा पूरा होता है।
5. जादुई शीशे बनाना।

6. कोई उसका नाम नहीं लेता। –ज.

और तुम? तुम्हें क्या लगता है R. कौन है?

मुझे लगता है R. है...

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ।

साइज़ XXS · PRE-A1
लूलिता सातवाँ बीज पकड़ लेती है।

साइज़ XS · A1
फ़र्श पर एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ S · A2
फिर बिजली चमकी: फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था। लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ M · B1
अगली चमक में सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ L · B2
जब बिजली फिर चमकी, तो फ़र्श पर सिर्फ़ एक बीज बचा था, और लूलिता ने उसे पकड़ लिया। सात।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+
CEFR *के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।*

तूफ़ान वही। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

असली तूफ़ान: क्या करना चाहिए

1. अगर तुम्हें गरज सुनाई दे, चाहे दूर ही क्यों न हो, तो घर के अंदर आ जाओ: बिजली तुम तक पहुँच सकती है।
2. अंदर रहो, किसी बड़े के साथ, खिड़कियों, दरवाज़ों और काँच से दूर। ग्रीनहाउस, पुल, पेड़ या पानी के पास बिल्कुल नहीं।
3. आख़िरी गरज के आधा घंटा बाद तक बाहर मत निकलो।
4. हाथी गिनने से पता चलता है कि बिजली पास गिरी या दूर, और मन शांत होता है। इससे यह पता नहीं चलता कि बाहर कब निकलना है।

अपना तूफ़ान गिनो

घर से हाथी गिनो।

चमक	हाथी	किलोमीटर (लगभग हर 3 हाथी पर 1)	वह बिजली: क्या और पास या और दूर?
1	15	5	—
2	१	3	और पास